शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 347 | गुवाहाटी | गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री माफी मांगें : राहुल गांधी पेज 2
बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता देगी सरकार भाजपा कार्यकर्ताओं को ... पेज 3
जयपुर में हाई-वोल्टेज प्रदर्शन : कांग्रेस कार्यालय घेरने निकली भाजपा पर... पेज 5
टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत जिम्बाब्वे के ... पेज 7

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय का ध्यान नहीं रखने वाला व्यक्ति अपने जीवन में निर्विघ्न नहीं रहता।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अनुराग जैन बने नीति आयोग के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी

नई दिल्ली (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। मुख्य सचिव के तौर पर उनका कार्यकाल सितंबर में समाप्त होने जा रहा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मध्य प्रदेश कैडर के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक -शेष पृष्ठ दो पर

शरद पवार और सुप्रिया सुले ने संसद भवन में प्रधानमंत्री से मुलाकात की

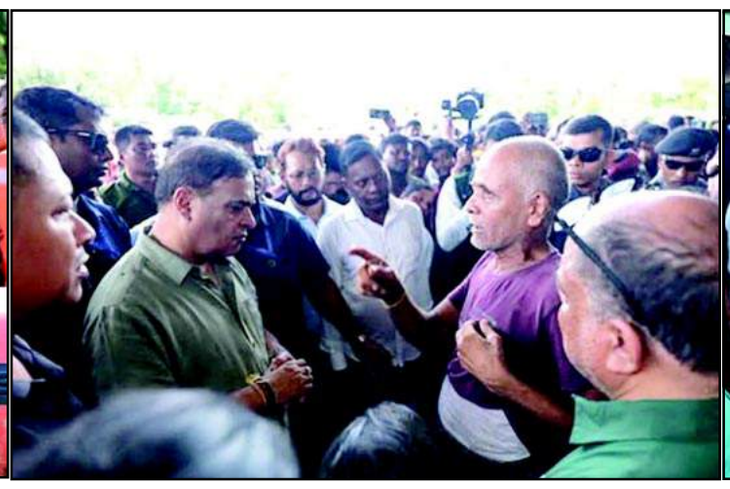

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने बुधवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि पवार और सुले ने दिन में संसद परिसर में प्रधानमंत्री मोदी से भेंट की। -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ प्रभावित इलाकों का मुख्यमंत्री ने किया दौरा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के 16 जिले वर्तमान समय में बाढ़ से प्रभावित हैं। सबसे अधिक प्रभावित जिलों उपरी असम के शिवसागर, चराइदेउ एवं जोरहाट शामिल हैं। असम आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी 21 जुलाई के आंकड़ों के अनुसार राज्य के 16 जिलों के 872 गांवों की 5,64,660 आबादी बाढ़ से प्रभावित है। वहीं, बाढ़ के पानी में 24210.35 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को उपरी असम के जोरहाट, शिवसागर एवं चराइदेउ जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर आश्रय शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात कर उनको सरकार की ओर से हर संभव सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को एक मुश्त 4 लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को यह भरोसा दिया कि सरकार हर समय उनके साथ खड़ी है। क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण की सरकार पूरी व्यवस्था करेगी। इसी कड़ी में बीते तीन दिनों से असम सरकार के मंत्री केशव महंत, पीयूष हजारिका, अजंता नेउग, बिमल बोरा, सुशांत बरगोहाईं, विधायक मृणाल सैकिया, रूपज्योति कुर्मी, अखिल गोगोई समेत अन्य नेता बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावितों की मदद के लिए हर संभव मदद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, बीते 21 जुलाई को शिवसागर, चराइदेउ, जोरहाट एवं गोलाघाट में बाढ़ से 21 लोगों की जान चली गई। जबकि, बड़ी संख्या में पशुओं की भी जान गई है। आज भी कुछ लोगों की मौत बाढ़ के पानी के चलते हुई है, लेकिन आधिकारिक तथ्य प्रकाश में नहीं आए हैं। बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए कुल 71 राहत शिविर एवं 202 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 273 शिविर स्थापित किए हैं। जहां से प्रभावित लोगों को आश्रय एवं राहत सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बीते 29 अप्रैल से 21 जुलाई तक राज्य में आई बाढ़ का एक आंकड़ा शेयर किया है। आंकड़ों के अनुसार, बाढ़ प्रभावित कुल 25 जिलों के 74 राजस्व सर्किल के 1700 गांव शामिल हैं। प्रभावित नागरिकों की संख्या 7,27,506 है। आश्रय शिवरों की संख्या 95 तथा आश्रय लेने वालों की संख्या 18,574 है। वहीं, राहत सामग्री वितरण केंद्रों की संख्या 469 तथा मृतकों की संख्या 31 है। जबकि, कृत्रिम बाढ़ में एक व्यक्ति की मौत तथा तीन व्यक्तियों के लापता होने का आंकड़ा साझा किया है। बाढ़ से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों की संख्या 401 तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों की संख्या 1848 तथा बाढ़ के चलते मरने वाले मवेशियों की संख्या 185 बताया गया है। उधर शिवसागर के बेतबाड़ी में बाढ़ पीड़ितों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उनके दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जिस किसी का भी नुकसान हुआ है, सरकार सभी की -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ से 5,64,660 आबादी प्रभावित, मृतकों की संख्या हुई 34

गुवाहाटी (हि.स.)। असम और पड़ोसी राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड आदि राज्यों में लगातार हो रही बरसात के चलते असम में बाढ़ के हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 21 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य में एक दिन में कुल 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 34 हो गई है। असम में खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली नदियों में ब्रह्मपुत्र नदी (निमातीघाट), बुढ़ीदिहिंग (चेनीमारी, खोवांग), धनसिरी (गोलाघाट, नुमालीगढ़) शामिल हैं। बाढ़ के उच्चतम स्तर से ऊपर बहने वाली नदियों में दिखौ (शिवसागर), दिसांग (नांगलामुराघाट) हैं। बाढ़ से वर्तमान समय में कुल 16 जिले प्रभावित हुए हैं। जिसमें गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, विश्वनाथ, धेमाजी, शोणितपुर, उदालगुड़ी, नगांव, चराइदेउ, -शेष पृष्ठ दो पर

असमिया कौन इस पर विचार-विमर्श अभी जारी : राज्य

गुवाहाटी। असम सरकार ने 22 जुलाई को कहा कि *असमिया* व्यक्ति के रूप में कौन योग्य है, इसे परिभाषित करने के लिए परामर्श अभी भी जारी है, इस मुद्दे को संवेदनशील बताते हुए और आश्वासन दिया कि सभी हितधारकों के विचारों पर विचार करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। विधानसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि इस मामले पर विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा की जा रही है। बोरा ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है। विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों की राय, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा समिति की सिफारिशों और इसमें शामिल कानूनी पहलुओं की जांच करने के बाद उचित निर्णय लेगी। विदेशी विरोधी आंदोलन के बाद 1985 में हस्ताक्षरित असम समझौते के अनुच्छेद 6 को -शेष पृष्ठ दो पर

दस मिनट की चेतावनी से बाढ़ को रोका नहीं जा सकता : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को जोर देकर कहा कि नगालैंड के मोन जिले में बादल फटने की घटना की सूचना असम सरकार को कुछ ही मिनटों के भीतर मिल गई थी। उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि अंतर-राज्यीय समन्वय की कमी के कारण ऊपरी असम में विनाशकारी बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई। बाढ़ प्रभावित चराइदेव के दौरे के दौरान प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि नगालैंड सरकार ने बादल फटने के 10 मिनट के भीतर असम के मुख्य सचिव को सूचित कर दिया था। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि चेतावनी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाढ़ का पानी पहले ही तेजी से नीचे की ओर बहना शुरू हो गया था। नगालैंड सरकार ने नगालैंड के मोन जिले में बादल फटने की घटना के 10 मिनट के भीतर असम के मुख्य सचिव को सूचित कर दिया था, लेकिन इसका क्या फायदा? हमारे पास मुश्किल से डेढ़ घंटा था, और तब तक पानी पहले ही नदियों में बहना शुरू हो चुका था, मुख्यमंत्री ने कहा। शर्मा की ये टिप्पणी असम कांग्रेस अध्यक्ष और जोरहाट सांसद गौरव गोगोई द्वारा असम और पड़ोसी पूर्वोत्तर राज्यों, विशेष रूप से नगालैंड के बीच समन्वय के स्तर पर सवाल उठाने के एक दिन बाद आई है। गोगोई ने आरोप लगाया था कि ऊपरी इलाकों में बादल फटने की घटना के बारे में समय पर संचार न होने के कारण ऊपरी असम में बाढ़ का संकट और बढ़ गया। गोगोई ने दावा किया था कि असम को बादल फटने के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं मिली थी , जिसके कारण निचले जिलों में अचानक बाढ़ आ गई थी, और उन्होंने पड़ोसी राज्यों के बीच मौसम और -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं पर लगाया 200 प्रतिशत टैरिफ

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा जेनेरिक दवाओं पर प्रस्तावित ऊंचे शुल्क भारत के सबसे बड़े औषधि निर्यात बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, इसका असर सभी उत्पादों पर एक समान नहीं पड़ेगा। ये ऐसी सस्ती दवाएं होती हैं, जिनमें ब्रांडेड दवाओं जैसा ही सक्रिय घटक, मात्रा और प्रभाव होता है लेकिन इन्हें पेटेंट समाप्त होने के बाद आमतौर पर कम कीमत पर बेचा जाता है। आर्थिक शोध संस्था *ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव* (जीटीआरआई) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में सात से दस -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में संदिग्ध उग्रवादियों ने पीएमजीएसवाई का पुल उड़ाया, दूरसंचार विभाग का वाहन फूंका

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के कामजोंग जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने बुधवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बने एक बेली पुल को विस्फोट कर उड़ा दिया। इस घटना से कई गांवों का जिला मुख्यालय से एकमात्र सड़क संपर्क टूट गया। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 9:30 बजे फांगे और चाट्रिक गांवों के बीच नंबान लोक नदी पर बने पुल पर हुई। प्रारंभिक जांच में पुल को उड़ाने के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के इस्तेमाल की आशंका जताई गई है। हमलावरों ने घटना के दौरान नदी किनारे खड़े दूरसंचार विभाग के एक वाहन में भी आग लगा दी, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। पुलिस का कहना है कि यह पुल चाट्रिक तथा आसपास के गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग था। अधिकारियों के अनुसार, हमले का उद्देश्य सार्वजनिक अवसंरचना को नुकसान पहुंचाना, -शेष पृष्ठ दो पर

नामपल्ली में आमने-सामने हुए भाजपा कांग्रेस, पुलिस ने चलाई लाठियां

हैदराबाद (हि.स.)। हैदराबाद में बुधवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया जब शहर के अलग-अलग हिस्सों में भाजपा और कांग्रेस ने अलग-अलग प्रदर्शन किए लेकिन जब दोनों दलों के प्रदर्शनकारी आमने-सामने आ गए तो पुलिस को बीचबचाव करना पड़ा। कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीपीजे के प्रदर्शन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए नामपल्ली स्थित गांधी भवन से सोमाजीगुड़ा स्थित लोक भवन तक रैली निकाली, वहीं भाजपा ने अपने प्रदेश मुख्यालय से गांधी भवन तक जवाबी रैली का आयोजन किया। -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस कार्रवाई नहीं किए जाने का आश्वासन मिलने पर तोड़ दूंगा अनशन : वांगचुक

नई दिल्ली (हि.स.)। शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को पत्र लिखकर कहा है कि आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं किए का आश्वासन मिलने पर वे अपना अनिश्चितकालीन अनशन तोड़ देंगे। वांगचुक ने अपना यह पत्र एक्स पर साझा किया है। वांगचुक ने पत्र में कहा कि यदि सरकार प्रदर्शन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक या कानूनी कार्रवाई न करने का स्पष्ट आश्वासन देती है, तो वह विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर देंगे। वांगचुक ने दोनों केंद्रीय मंत्रियों का अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित हो सरकार की कार्यप्रणाली : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार कहा कि सभी सुधारों के केंद्र में नागरिकों का कल्याण होना चाहिए और सरकार की कार्यप्रणाली समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर सचिवों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में *विकसित भारत* के लक्ष्यों को पाने की दिशा में ग्रामीण विकास, कृषि, सामाजिक कल्याण और संबंधित क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधारों का उद्देश्य केवल सरकारी व्यवस्था को बेहतर बनाना नहीं, बल्कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा को गति देना है। उन्होंने मंत्रालयों और विभागों की उभरती आवश्यकताओं का व्यापक आकलन करने तथा शासन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस अभियान -शेष पृष्ठ दो पर

नीट मुद्दे पर संसद में गतिरोध जारी

सरकार चर्चा के लिए तैयार, विपक्ष प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा

नई दिल्ली। बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी संसद के मॉनसून सत्र की कार्यवाही बार-बार स्थगित होने के कारण बाधित रही। दोनों सदनों को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। जहां राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार नीट-ऩ पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है, वहीं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद में निष्पक्ष चर्चा के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पहले इस्तीफा देना होगा। विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी को सदन में कुछ महिला सदस्यों से अभद्रता और दुर्व्यवहार के मामले में चालू सत्र की शेष अवधि के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया। किरेन रीजीजू ने संसद में कहा कि सरकार नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सदन में चर्चा के लिए सौ प्रतिशत तैयार है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बहाने बनाकर चर्चा से बचना चाहती -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री माफी मांगें : राहुल गांधी

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने, पेपर लीक मामलों पर जवाबदेही तय न करने और छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से छात्रों से माफी की मांग की। राहुल गांधी ने यहां कांग्रेस नए मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में 20 जुलाई को छात्रों के *संसद चलो* मार्च और जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से जुड़े वीडियो और प्रस्तुति दिखाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस और सुरक्षाबलों ने बर्बर कार्रवाई की। छात्रों को पीटा गया, घसीटा गया और उनकी जायज मांगों को सुनने के बजाय दमन का रास्ता अपनाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि देश में शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और सरकार छात्रों की समस्याओं के प्रति बिल्कुल संवेदनशील नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाले पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी ने करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है। इसके बावजूद किसी भी बड़े मामले में दोषियों को सजा नहीं मिली। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। इन घटनाओं का सीधा असर 7.5 करोड़ छात्रों और उनके परिवारों पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में भी अब तक किसी को प्रभावी सजा नहीं मिली और सरकार लगातार जवाबदेही से बच रही है। उन्होंने कहा कि देश के परिवार अपने बच्चों की शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भारी आर्थिक बोझ उठा रहे हैं। राहुल गांधी के अनुसार, भारत सरकार का वार्षिक शिक्षा बजट लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपए है, जबकि भारतीय परिवार केवल नीट परीक्षा की तैयारी और उससे जुड़े खर्चों पर लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में विफल रही है। राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया है। शिक्षा और भर्ती व्यवस्था में भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि देश के छात्रों को न्याय दिलाने के लिए धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ना चाहिए। राहुल गांधी ने अपनी तीन प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर बल प्रयोग और कथित बर्बरता के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

कल्याण बनर्जी मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित

नई दिल्ली (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी को बुधवार को संसद के मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया। उन पर असंसदीय भाषा के प्रयोग और महिला सांसदों पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगा है। कल्याण बनर्जी के खिलाफ प्रस्ताव पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद दोपहर दो बजे दोबारा कार्यवाही शुरु हुई। इस दौरान पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने महिला सदस्यों की ओर से अध्यक्ष ओम बिरला को मिली लिखित शिकायत की सदन को जानकारी दी। इसके बाद संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव को सदन ने शोर-शराबे के बीच ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। पीठासीन अधिकारी तेन्नटी ने कहा कि कल्याण बनर्जी ने असंसदीय भाषा का प्रयोग किया है। उनके खिलाफ अध्यक्ष ओम बिरला को लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। यह सदन की गरिमा के खिलाफ है और आपत्तिजनक है और अध्यक्ष का मानना है कि उनपर कार्रवाई की जानी चाहिए।

अरुणाचल : प्रशासन ने हवाई सेवा से बाढ़ग्रस्त इलाकों में जरुरी समान पहुंचाना शुरू किया

इटानगर(हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिला प्रशासन ने बुधवार से निलिंग, लिंगदाम और अपर गिबा के दूर-दराज गांव और बाढ़ से प्रभावित इलाकों में जरूरी खाने-पीने का सामान हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर से पहुंचाना (एयरलिफिटंग) शुरू कर दिया है। हाल ही में मॉनसून की बारिश से सड़कें और पुल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे इन इलाकों का संपर्क टूट गया था; प्रशासन यह पक्का कर रहा है कि यहां रहने वाले लोगों को सामान की सप्लाई बिना किसी रुकावट के मिलती रहे। भारी बारिश के बाद, न्यो और जाओ नदियों में कटाव के कारण निलिंग और अपर गिबा सर्कल को जोड़ने वाली सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। जाओ नदी पर बना पुल भी बह गया, जिससे अपर गिबा के 22 गांव जिला मुख्यालय से पूरी तरह कट गए। इसके अलावा, सड़क संपर्क टूटने की वजह से निलिंग सर्कल के 20 गांव भी अलग-थलग पड़ गए हैं। लिंगदाम और निलिंग तक सड़क संपर्क भी टूट गया, जिससे सड़क मार्ग से जरूरी सामान पहुंचाना नामुमकिन हो गया था। प्रभावित लोगों की मुश्किलों को देखते हुए, जिला उपायुक्त के अगुवाई में जिला प्रशासन ने तुरंत हेलीकॉप्टर सेवाएं लेने की प्रक्रिया शुरू की। स्थानीय विधायक तानिया सोकी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया और अनाज, दवाइयां व अन्य जरूरी सामान पहुंचाने के लिए अरुणाचल प्रदेश सरकार ने नागरिक उड्डयन निदेशालय को अनुरोध भेजा। नागरिक उड्डयन निदेशालय ने अनुरोध को मंजूरी दे दी और 22 व 23 जुलाई के लिए हेलीकॉप्टर उड़ानों का नया शेड्यूल जारी किया है। इन उड़ानों के जरिए डपोरिजो से लिंगदाम और निलिंग तक चावल और अन्य जरूरी सामान पहुंचाया जा रहा है, ताकि प्रभावित लोगों तक बिना देरी के राहत सामग्री पहुंच सके। जिला प्रशासन ने नागरिक उड्डयन विभाग, जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति कार्यालय, सर्कल प्रशासन, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर हेलीपैड पर सभी जरूरी इंतजाम किए हैं। इनमें दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, आग और आपातकालीन सेवाएं, सफाई, रुकावटें हटाना और सुरक्षा के अन्य उपाय शामिल हैं। जिला प्रशासन ने अरुणाचल प्रदेश सरकार, नागरिक उड्डयन निदेशालय, हेलीकॉप्टर क्रू, सभी संबंधित विभागों और स्थानीय प्रतिनिधियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया है। इन सभी के समय पर सहयोग और मिलकर किए गए प्रयासों से ही अपर सुबनसिरी जिले के सबसे दूर-दराज और दुर्गम इलाकों तक जरूरी सामान पहुंचाना मुमकिन हो पाया है।

बाढ़ प्रभावित सेक्शनों में बहाली का काम जोरों पर

गुवाहाटी (हिंस)। डिखो नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के तिनसुकिया मंडल के अधीन शिवसागर जिला अंतर्गत शिमलगुड़ी टाउन स्टेशन और आस-पास के क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पानी के बहाव से शिमलगुड़ी स्टेशन यार्ड और रेल कॉलोनी के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं और प्रभावित सेक्शनों में रेल पटरियों के ऊपर से भी पानी बह रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बुधवार को बताया कि चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद, तिनसुकिया मंडल ने ट्रेन सेवाओं को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए 24×7 निगरानी के साथ व्यापक पैमाने पर बहाली कार्य शुरू किया है। मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारियों की अगुवाई में इंजीनियरिंग टीमें बाढ़ के पानी के असर से निपटने और ट्रेन सेवाओं को जल्द बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर निरंतर कार्य कर रही हैं। सेलेंगहाट-आमगुड़ी सेक्शन में अभी मरम्मत और बहाली का कार्य जोरों पर चल रहा है।

असम : बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए चलाई जा रही अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के तिनसुकिया मंडलाधीन शिवसागर जिले के शिमलगुड़ी शहर और आस-पास बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के कारण, रेल यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शिमलगुड़ी-नामतिआलि और शिमलगुड़ी-सेलेंगहाट सेक्शनों के बीच ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं। इसके परिणामस्वरूप, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से आने-जाने वाली लंबी दूरी की कई ट्रेनों का रूट परिवर्तन कर उसे वाया रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ- डिब्रूगढ़ होकर चलाया जा रहा है। कुछ सेवाओं को बीच में ही किसी सुरक्षित स्टेशन पर रोक दिया गया है या फिर वहीं से यात्रा प्रारंभ की गई है और कुछ ट्रेनों को रद्द भी कर दिया गया है। इन व्यवधानों से प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए, दो अतिरिक्त जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि 22 से 26 जुलाई तक प्रतिदिन तिनसुकिया और भोजो के बीच एक स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की गई है। ट्रेन संख्या 05911 (तिनसुकिया-भोजो) स्पेशल तिनसुकिया से 12 बजे रवाना होकर उसी दिन भोजो 14-00 बजे पहुंचती है। वापसी में, ट्रेन संख्या 05912 (भोजो-न्यू तिनसुकिया) स्पेशल भोजो से 15-00 बजे रवाना होकर उसी दिन न्यू तिनसुकिया 16-35 बजे पहुंचती है।

ऊपरी असम की बाढ़ अभूतपूर्व, हर पीड़ित की हरसंभव मदद करेगी सरकार : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने बुधवार को विधानसभा में राज्य की बाढ़ की स्थिति पर आधिकारिक वक्तव्य देते हुए कहा कि सरकार सामान्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती है, लेकिन ऊपरी असम में आई बाढ़ की स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, जिसके कारण सरकार और प्रशासन को पूर्व तैयारी का पर्याप्त समय नहीं मिल सका। उन्होंने बताया कि ऊपरी असम में बाढ़ की सूचना मिलते ही नई दिल्ली में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने चराईदेव, शिवसागर और जोरहाट के संरक्षक मंत्रियों को तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए। हजारिका ने कहा कि कुछ ही घंटों के भीतर संबंधित मंत्री प्रभावित जिलों में पहुंच गए और जिला प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने विधानसभा को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा राहत और पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

अनंतनाग आतंकी हमले के बाद कश्मीर में 1,000 से ज्यादा ओजीडब्लू हिरासत में लिए गए

अनंतनाग (हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में बुधवार को आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत के बाद सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी भर से 1,000 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्लू) को हिरासत में लिया है। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की आज दोपहर करीब 12:30 बजे अनंतनाग के लाल चौक पर एक आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने हमलावर का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया और पूरे अनंतनाग शहर की घेराबंदी कर दी। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर पूरी घाटी में छापेमारी शुरू की। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान 1,000 से ज्यादा ओजीडब्लू (आतंकी सहयोगी) को हिरासत में लिया गया है। साथ ही अनंतनाग जिले सहित कई जगहों पर तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हमले की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण हरकत बताया और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और आईजीपी कश्मीर वीके बिरदी ने खुद घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस का जयपुर में उग्र प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का आंदोलन बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय के घेराव का ऐलान करते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से पैदल मार्च निकाला। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व विधायक प्रताप सिंह खाचरियावास सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसमें भाग लिया। मार्च शुरू होने से पहले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर केंद्र सरकार का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद रैली भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर रवाना हुई, लेकिन पुलिस कमिश्नरेट के निकट पहले से की गई बैरिकेडिंग के कारण पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। वहीं भाजपा मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कमिश्नरेट के सामने धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की में उलझ गए। कार्यकर्ताओं के लगातार आगे बढ़ने के प्रयास के बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज बौछारों के बाद कई कार्यकर्ता तितर-बितर हो गए। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कार्यकर्ता की तबीयत बिगड़ने से वह बेहोश हो गई, जिसे तत्काल मौके से हटाकर उपचार के लिए भेजा गया। प्रदर्शन को देखते हुए जयपुर पुलिस सुबह से ही अलर्ट मोड पर रही। संसार चंद्र रोड, गवर्नमेंट हॉस्टल सर्किल और भाजपा मुख्यालय की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को भाजपा कार्यालय तक पहुंचने से रोका। अतिरिक्त पुलिस जाब्ता भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया। कांग्रेस के पैदल मार्च और पुलिस कार्रवाई के चलते संसार चंद्र रोड, गवर्नमेंट हॉस्टल सर्किल और आसपास के क्षेत्रों में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। वाहनों की लंबी कतारें लगने पर पुलिस ने ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट कर स्थिति सामान्य बनाने का प्रयास किया। पूर्व विधायक प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एक दिन पहले भाजपा द्वारा किया गया प्रदर्शन केवल राजनीतिक नाटक था, क्योंकि सरकार स्वयं भाजपा की है और वाटर कैनन का इस्तेमाल भी केवल दिखावे के लिए किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ प्रभावित इलाकों ...

हरसंभव मदद करेगी। मैं आपके घर के बेटे की तरह हूं, इसलिए किसी भी तरह की चिंता न करें। फूकन नगर स्थित राहत शिविर में भी मुख्यमंत्री ने विस्थापित परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगी और किसी भी प्रभावित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने मरियानी विधानसभा क्षेत्र के राहत शिविर का भी दौरा किया और बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार राहत, पुनर्वास और अन्य सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार की बाढ़ अभूतपूर्व है। शिवसागर में 70 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। वहीं, नाजिरा में अब तक 18 शव बरामद किए जा चुके हैं तथा करीब 50 लोग लापता हैं। उन्होंने आशंका जताई कि बचाव अभियान आगे बढ़ने के साथ मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

मणिपुर में संदिग्ध उग्रवादियों ...

परिवहन और संचार सेवाओं को बाधित करना, लोगों की आवाजाही रोकना तथा क्षेत्र में भय का माहौल पैदा करना था। पुलिस ने मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए सीएसडी थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के पीछे किसी भी उग्रवादी संगठन ने अब तक जिम्मेदारी नहीं ली है।

बाढ़ से 5,64,660 आबादी ...

कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंग्लांग, लखीमपुर एवं शिवसागर शामिल हैं। बाढ़ से 16 जिलों के 44 राजस्व मंडलों के कुल 872 गांव प्रभावित है। राज्य की कुल 564660 आबादी एवं 24210.35 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए कुल 71 राहत शिविर एवं 202 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 273 शिविर स्थापित किए हैं। राहत शिविरों में 12284 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 100318 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बाढ़ से 21 जुलाई को मरने वालों की संख्या 21 दर्ज हुई, जिसमें गोलाघाट में 2 (पुरुष), जोरहाट में 1 (महिला), चराइदेउ में 5 (3 पुरुष, 1 बच्चा एवं 1 बच्ची), शिवसागर 13 (7 पुरुष, 4 महिला, 1 बच्चा, 1 बच्ची) शामिल हैं। वहीं बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 185029 दर्ज हुई है, जिसमें बड़े 61747, छोटे 92578 एवं मुर्गी-पालन 30704 दर्ज हुए हैं। इस बीच बाढ़ के पानी में कुल 107 जानवर बह गए, जिसमें बड़े 83, छोटे 04 और मुर्गी-पालन 20 बताये गए हैं। इस बीच बाढ़ के पानी के चलते मंगलवार को जोरहाट जिले में आंशिक रूप से 15 पक्के घर क्षतिग्रस्त हुए। बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। इस बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल 89 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 50 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ के पानी में फंसे 6101 लोगों को नावों द्वारा निकाला। वहीं 20 जानवरों को भी नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित शिवसागर जिले में राहत के कार्य में दो हेलीकॉप्टरों को भी तैनात किया गया। बाढ़ प्रभावितों के बीच राज्य सरकार की ओर से चावल (क्विंटल में): 5011.072, दाल (क्विंटल में): 956.526, नमक (क्विंटल में): 265.1777, मस्टर्ड ऑयल/सरसों का तेल (लीटर में): 20115.4205 साथ ही पशुओं का चारा - गेंहूं का चोकर (क्विंटल में): 464.31 और पशुओं का चारा - चावल का चोकर (क्विंटल में): 72.42 राहत सामग्री बांटी गई। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार हर स्थिति पर बारिकी से नजर रखे हुए है।

असमिया कौन इस...

लागू करने के उपायों की सिफारिश करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2019 में इस समिति का गठन किया गया था। अनुच्छेद 6 स्वदेशी असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक और भाषाई पहचान की रक्षा के लिए संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा प्रदान करता है। बोरा ने सदन को सूचित किया कि राज्य सरकार ने न्यायमूर्ति शर्मा समिति द्वारा प्रस्तुत सिफारिशों को लागू करने के लिए पहले ही कदम उठा लिए हैं। रायजोर दल के विधायक अखिल गोगोई द्वारा पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि 31 मई, 2026 तक असम में कुल 1,72,673 लोगों की पहचान विदेशी के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि इनमें से 1,11,414 मुसलमान, 61,189 हिंदू थे, जबकि शेष ईसाई या अन्य धर्मों के अनुयायी थे। मंत्री ने आगे कहा कि अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया गृह मंत्रालय द्वारा 2 मई, 2025 को जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार की जा रही है।

अमेरिका ने जेनेरिक...

गुना सस्ती होती हैं। ऐसे में 200 प्रतिशत शुल्क लगने के बाद भी कई उत्पाद सस्ते बने रह सकते हैं। अतिरिक्त लागत का बोझ अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, बीमा कंपनियों और मरीजों पर डाला जा सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अधिक दबाव उच्च मूल्य वाली जेनेरिक फॉर्मूलेशन और ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाकर यूरोप, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में निर्यात बढ़ाना चाहिए। अमेरिका ने 2025 में 213 अरब डॉलर के औषधि उत्पाद आयात किए, जिनमें 94.1 अरब डॉलर की तैयार दवाएं शामिल थीं। जेनेरिक दवाओं का अलग से सटीक आकलन उपलब्ध नहीं है क्योंकि उन्हें एचएस कोड 3004 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। भारत ने पिछले साल 25.8 अरब डॉलर की औषधि निर्यात कीं, जिनमें से 9.7 अरब डॉलर यानी 37.7 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को गया।

नामपल्ली में आमने-सामने ...

भाजपा का यह प्रदर्शन राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के सामने प्रदर्शन करने को लेकर राहुल गांधी समेत अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ था। हाथों में तख्तियां लिए दोनों पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे नामपल्ली इलाके में तनाव काफी बढ़ गया। कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप किया और कई नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया। नामपल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन के पास, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने परिसर में जबरन घुसने की कोशिश की तो स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। लाठीचार्ज के बाद मची भगदड़ और पत्थरबाजी के दौरान कई लोगों को चोटें आईं। जख्मी होने वालों में एक निजी टीवी चैनल का कैमरामैन भी शामिल है। उग्र कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने में पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

समय की बदलती जरूरतों ...

की सबसे मजबूत नींव देश का युवा वर्ग होना चाहिए। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय बढ़ाने और विभागीय सीमाओं को समाप्त कर *होल-ऑफ-गवर्नमेंट* दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं में बढ़ते नशे की समस्या पर चिंता जताते हुए इससे निपटने के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने खेल क्षेत्र के विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया और कहा कि खेल पर्यटन को बढ़ावा देकर भारत को प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार करना चाहिए, ताकि देश वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभर सके। उन्होंने खेल क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप आधारित नवाचार को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना जैसी पहलों को किसानों के बीच व्यापक स्तर पर अपनाने से कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कौशल की मांग का आकलन करने की जरूरत भी बताई, ताकि भारतीय युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार अवसरों के अनुरूप तैयार किया जा सके। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही पहलों, उपलब्धियों और चुनौतियों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रमुख मंत्रालयों के सचिव तथा प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सरकार चर्चा के लिए ...

है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं आपके (आसन के) माध्यम से सरकार का पक्ष रखना चाहता हूं कि मानसून सत्र की शुरुआत से ही सरकार ने कहा है कि जो भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं उन पर और नीट प्रश्न पत्र लीक के विषय पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं। हम अब भी तैयार हैं। उन्होंने सदन को जानकारी दी कि सरकार ने कांग्रेस और अन्य पार्टी के नेताओं को भी इस बारे में बताया था। रीजीजू ने दावा किया कि विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता है और इसीलिए वह बहाने बनाकर सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के भविष्य के लिए, छात्रों के भविष्य के लिए नीट परीक्षा से जुड़े विषय पर चर्चा के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। सरकार ने एक एक करके जो भी कदम उठाये हैं, उन्हें देश के सामने रखना हमारा दायित्व है। मानसून सत्र शुरू होने के बाद नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में छात्रों के आंदोलन को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद में जारी गतिरोध के बीच राज्यसभा में बुधवार को सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर संसद की मर्यादाओं को तार-तार करके प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा विपक्ष की ओर इंगित करते हुए कहा कि ये जो इंडी गठबंधन है, उसका व्यवहार बहुत गैर जिम्मेदाराना है। यह प्रजातांत्रिक विरोधी गतिविधि साफ-साफ संसद में दिख रही है। ये (विपक्ष) संसद की मर्यादाओं को तार-तार करके प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन कर रहे हैं।

पुलिस कार्रवाई नहीं ...

आकर उनसे मुलाकात करने और अनशन समाप्त करने की अपील करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान मंत्रियों ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और संसद में इस मुद्दे पर सार्थक चर्चा कराने सहित शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तथा उनके इस्तीफे पर विचार को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया। वांगचुक ने कहा कि 20 जुलाई को आयोजित संसद मार्च पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कानूनी मामला, उत्पीड़न या प्रतिशोधात्मक कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 65 सांसदों ने भी उन्हें पत्र लिखकर और व्यक्तिगत रूप से मिलकर अनशन समाप्त करने की अपील की है। वांगचुक ने कहा कि वह देश, छात्रों और शिक्षा के लिए अपना काम जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन युवाओं की कीमत पर नहीं, जिनके लिए यह आंदोलन शुरू किया गया। अन्यथा उन्हें अपना अनशन अनिश्चितकाल तक जारी रखने के लिए विवश होना पड़ेगा।

अनुराग जैन बने नीति ...

सेवा (आईएएस) अधिकारी अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने को मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। अनुराग जैन 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से प्रत्यक्ष भर्ती के तहत सेवा में आए थे। अपने लगभग 37 वर्ष के प्रशासनिक करियर में अनुराग जैन 11 विभिन्न स्थानों पर 22 पदों पर कार्य कर चुके हैं।

शरद पवार और सुप्रिया ...

हालांकि, मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मंगलवार को शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक को लेकर जारी प्रदर्शन में शामिल हुए थे। पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग का समर्थन किया है।

दस मिनट की चेतावनी ...

आपदा संबंधी जानकारी के वास्तविक समय में आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए एक संस्थागत तंत्र की मांग की थी। इन आरोपों का परोक्ष रूप से जवाब देते हुए शर्मा ने कहा कि ऊपरी असम में आई बाढ़ राज्य की वार्षिक मानसून बाढ़ से मौलिक रूप से भिन्न है। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य या नियमित बाढ़ की स्थिति नहीं है। नगालैंड के मोन जिले में बादल फटने के कारण अचानक भारी मात्रा में पानी असम में बहने लगा। इस बीच, गोगोई ने बुधवार को जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा जारी रखा और राज्य सरकार से राहत और पुनर्वास प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। इस कठिन समय में, प्रत्येक प्रभावित परिवार के लिए समय पर राहत, सुरक्षित आश्रय, स्वास्थ्य सेवा और पुनर्वास सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं सरकार से राहत कार्यों को मजबूत करने, अपनों को खोने वाले परिवारों को पर्याप्त मुआवजा प्रदान करने और सामान्य स्थिति बहाल करने के उपायों में तेजी लाने का आग्रह करता हूं, गोगोई ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि उन्होंने प्रभावित निवासियों, अधिकारियों और राहत कार्यों में लगे स्वयंसेवकों से बातचीत करके जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने कहा कि जोरहाट के कई हिस्सों सहित पूरे असम में बाढ़ की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। परिवार विस्थापित हुए हैं, घर और आजीविका प्रभावित हुई है और कई अनमोल जानें गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस स्थिति पर बारीकी से नजर रखेगी और उचित मंचों पर इस मुद्दे को उठाएगी। मोन जिले में बादल फटने के बाद नगा पहाड़ियों से निकलने वाली नदियों में अचानक पानी का तेज बहाव आने से चराइदेव, शिवसागर और जोरहाट जिलों सहित ऊपरी असम के बड़े हिस्से जलमग्न हैं। चिंता की बात यह है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों में असम के कुछ अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है, जिससे बाढ़ की स्थिति और बिगड़ने की आशंका बढ़ गई है।

बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता देगी सरकार भाजपा कार्यकर्ताओं को राहत कार्य में जुटने के निर्देश

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ऊपरी असम में आई अभूतपूर्व बाढ़ से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य सरकार राहत एवं पुनर्वास के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को शिवसागर, जोरहाट और चराइदेव जिलों के विभिन्न राहत शिविरों का दौरा कर बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में चिकित्सा सुविधा, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सेवाएं बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही बाढ़ में क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण तथा खोए हुए आवश्यक दस्तावेज, किताबें और

अन्य सामान उपलब्ध कराने में भी सरकार सहायता करेगी। मुख्यमंत्री ने आपदा में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को तत्काल चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। इस बीच, असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने शिवसागर, जोरहाट और चराईदेव के जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों तथा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़े होकर हरसंभव मदद करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रो टेम स्पीकर) के रूप में सदन की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने सांसदों से असम की बाढ़ की स्थिति पर चर्चा करने का आग्रह किया था, जिससे इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता मिली। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सुशांत बरगोहाईं के साथ मंत्रियों बिमल बोरा, केशब महंत और अजंता नेओग को प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है तथा फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए हैं। विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि सरकार सामान्य प्राकृतिक आपदाओं और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती है, लेकिन चराइदेव, शिवसागर, नाजिरा और जोरहाट में आई अचानक और अभूतपूर्व बाढ़ के कारण पूर्व तैयारी का पर्याप्त समय नहीं मिल सका। इसके बावजूद सरकार सभी प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। असम भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. देवजीत महंत ने कहा कि पार्टी इस कठिन समय में बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और राज्य सरकार के साथ मिलकर सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हरसंभव सहयोग करती रहेगी।

बाढ़ पीड़ितों के परिजनों को 4 लाख की अनुग्रह राशि देगी असम सरकार : मुख्यमंत्री

सोनारी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को सोनारी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर घोषणा की कि बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से फिलहाल तत्काल चार लाख की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले चरण में और भी कुछ इन्हें दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने राहत कार्यों की समीक्षा के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि जिला प्रशासन के माध्यम से बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ गांवों तक अब भी राहत सामग्री नहीं पहुंच पाई है, क्योंकि वहां तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में हवाई मार्ग से भी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, लेकिन प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक सीधे हवाई माध्यम से सहायता पहुंचाना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण है।

तामुलपुर में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां शुरू

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बुधवार को जिला आयुक्त सिमी करण की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य समारोह तामुलपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में वृक्षारोपण, मार्चपास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, मैत्री फुटबॉल मैच, विभागीय प्रदर्शनी तथा विशिष्ट व्यक्तियों के सम्मान सहित जनगणना-2027 के लिए सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल पर आधारित विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाने पर भी चर्चा हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुमन चक्रवर्ती ने राष्ट्रीय ध्वज के सही तरीके से ध्वजारोहण, सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता पर विशेष जोर दिया।

नीट सफलता हासिल करने वाले दीप कुमार नाथ सम्मानित

कोकराझाड़ (विभास)। नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने वाले दीप कुमार नाथ के आवास पर बुधवार को *सारा असम बंगाली छात्र फेडरेशन* का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा और उन्हें सम्मानित किया। दीप कुमार नाथ पान किष्णो देबनाथ और सुप्रिया देबनाथ के पुत्र हैं। संगठन के सदस्यों ने मेधावी छात्र दीप कुमार नाथ को जातीय गमछा और मानपत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सारा असम बंगाली छात्र फेडरेशन के केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष गोपाल घोष, साधारण सचिव इंद्रजीत देबनाथ, कोकराझाड़ जिला समिति के साधारण सचिव देबा सरकार, और बंगाली टाइगर फोर्स के कोकराझाड़ जिला समिति के सचिव अरबिंद देबनाथ सहित कई अन्य संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आपको बता दें कि दीप कुमार नाथ ने नीट की परीक्षा में 459 अंक (93.21 प्रतिशत) हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

कामरूप में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

कामरूप (हिंस)। असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कामरूप जिला प्रशासन ने बुधवार को जिला आयुक्त कार्यालय, अमीनगांव में आपातकालीन बाढ़ तैयारी बैठक आयोजित की। बैठक में राहत कार्यों, बचाव व्यवस्था, विभिन्न विभागों के समन्वय और आवश्यक सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिला प्रशासन ने बताया कि पलाशबाड़ी और उत्तर गुवाहाटी के प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरित की जा चुकी है। प्रभावित परिवारों के लिए बंगाली एलपी स्कूल और अमीनगांव हायर सेकेंडरी स्कूल में राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। जिला आयुक्त ने बाढ़ राहत कार्यों से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के नए भवन से 24 घंटे निगरानी और आपातकालीन संचालन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री आवास पर कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन की भाजपा ने की निंदा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा प्रधानमंत्री आवास के बाहर किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने एक संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण करने का प्रयास किया है, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। भाजपा ने एक बयान में कहा कि राहुल गांधी लगातार देश के युवाओं को गुमराह करने और सत्ता परिवर्तन से जुड़े ऐसे कथानक प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं, जिनसे बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने का संदेश जाता है। पार्टी ने प्रधानमंत्री आवास तक विरोध मार्च को गैर-जिम्मेदाराना कदम बताया। इसी के विरोध में भाजपा, असम प्रदेश ने बुधवार को गुवाहाटी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में विरोध सभा आयोजित की। पार्टी के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व पर राष्ट्रीय मुद्दों का राजनीतिकरण करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। विरोध सभा में असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका, अशोक सिंघल, नीलिमा देवी, बिस्वजीत दैमारी, कौशिक राय और कृष्णेंदु पॉल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। प्रदेश भाजपा पूर्व अध्यक्ष भवेश कलिता, विधायक प्रशांत फूकन और राजदीप रॉय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन इसका उपयोग राजनीतिक नाटक, प्रशासनिक व्यवधान या संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा ने सभी राजनीतिक दलों से संविधान की मर्यादा, कानून-व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने तथा राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर तथ्य आधारित और रचनात्मक संवाद में भाग लेने की अपील की।

नीट मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर असम कांग्रेस का विरोध मार्च

गुवाहाटी (हिंस)। नीट परीक्षा विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर असम प्रदेश कांग्रेस ने बुधवार को राजीव भवन से विरोध मार्च निकाला। विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च में संसद में नीट मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराने तथा दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की भी मांग की गई। मार्च में कांग्रेस के कई विधायक, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

एनएफएसए लाभार्थियों को मसूर दाल और चीनी वितरण की तैयारियों की मंत्री कौशिक राय ने की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री कौशिक राय ने बुधवार को जनता भवन में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों को मसूर दाल और चीनी के वितरण की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मसूर दाल और चीनी की खरीद, आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था की प्रगति का आकलन किया गया। विभागीय अधिकारियों और नाफेड के प्रतिनिधियों ने योजना के क्रियान्वयन की स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। कौशिक राय ने अधिकारियों और नाफेड के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभार्थियों तक आवश्यक खाद्य सामग्री समय पर पहुंचाने के लिए आपसी समन्वय बनाए रखें और वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं। उन्होंने निर्धारित समयसीमा का सख्ती से पालन करने तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि असम सरकार खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

निशारी नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांवों के फसल जलमग्न, पीडब्ल्यूडी सड़कें भी प्रभावित

नगांव (निसं)। निशारी नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण मंगलवार को नगांव जिले के कई गांवों के कृषि क्षेत्र जलमग्न हो गए। प्रभावित क्षेत्रों में सरूपाथार, गरुबांधा गांव, देवरीपाथार, देवरीगांव, तेतेलीसरा, बामुनीजान, पूर्व खलोईभांगा, पश्चिम खलोईभांगा तथा कछारीखांदा शामिल हैं। बाढ़ के कारण किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, जलस्तर बढ़ने से दो लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़कें भी जलमग्न हो गई हैं। इनमें गरुबांधा गांव-पतियापाम सड़क तथा केके रोड-महानियाती तेलियाती सड़क शामिल हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों का आकलन किया जा रहा है।

नगांव : नाबालिग से विवाह करने पर वार्ड सदस्य की सदस्यता रद्द

नगांव (निसं)। नगांव जिले में बाल विवाह से जुड़े मामले में एक निर्वाचित ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य को अपना पद गंवाना पड़ा। महेरीपार ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या 4 के निर्वाचित सदस्य अजीजुर रहमान की सदस्यता जिला प्रशासन ने रद्द कर दी है। जानकारी के अनुसार, बगोरीगुड़ी विकास खंड के अंतर्गत आने वाले इस ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्य पर पंचायत चुनाव के दौरान दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप लगा था। जिला आयुक्त के निर्देश पर कराई गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वह नाबालिग अवस्था में ही एक संतान के पिता बन गए थे। दस्तावेजों की जांच में पाया गया कि अजीजुर रहमान का जन्म 31 जनवरी 1999 को हुआ था, जबकि उनके प्रथम पुत्र/पुत्री का जन्म 7 अगस्त 2016 को हुआ। इस आधार पर यह सिद्ध हुआ कि संतान के जन्म के समय उनकी आयु 18 वर्ष से कम थी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खंड विकास अधिकारी की रिपोर्ट तथा सहायक आयुक्त की जांच में भी इस तथ्य की पुष्टि होने के बाद जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने आदेश जारी कर उनकी वार्ड सदस्यता रद्द कर दी।प्रशासन ने संबंधित वार्ड को फिलहाल रिक्त घोषित कर दिया है।

धुबड़ी जिला भाजपा अधयक्ष ने संवाददाता सम्मेलन में राज्य सरकार के बजट को जनमुखी बताया

धुबड़ी (विभास)। धूबड़ी जिला भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार राय और भाजपा जिला कार्यकारी सदस्य हेमंत चक्रवर्ती ने असम राज्य सरकार के बजट को जनमुखी बजट करार दिया है। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह बजट असम के साथ-साथ धुबड़ी जिले के सभी वर्गों के लोगों को दीर्घकालीन आशाओं और कांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि यह बजट समाज के हर वर्ग के समग्र विकास के लिए एक विशेष दिशा दिखाएगा। इस संबंध में धुबड़ी जिला भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने कहां इस बार हमारे मुख्यमंत्री ने 200000 नौकरियां देने का वादा किया है। हमारा मानना है कि इस वादे के मुताबिक धुबड़ी जिले के चापर में जो उद्योग स्थापित होगा उसमें लगभग 30 से 35000 युवक युवतियों को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरा हमारे यहां सैटलाइट टाउनशिप के लिए पहले ही दो करोड़ रूपया आवंटित किया जा चुका है। बजट में इस बात का भी उल्लेख है कि हमें धुबड़ी जिले में एक औद्योगिक पार्क बनाने का मौका मिलेगा। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 50 बिस्तरों वाला एफआरयू और प्रत्येक उप स्वास्थ्य केंद्र में एमबीबीएस डॉक्टर होना चाहिए। इसके लिए भी इस बजट में पहले से ही घोषणा की जा चुकी है। इस बात की जानकारी भारतीय जनता पार्टी धुबड़ी जिला अध्यक्ष ने हम संवाददाताओं को दी।

नगरबेरा : पुलिस के तलाशी अभियान में गांजे के साथ एक गिरफ्तार

नगरबेरा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र स्थित आलोपतिचर थाना क्षेत्र के भटनापाइती गांव में पुलिस ने बीती रात गांजा के खिलाफ अभियान चलाया। जानकारी के मुताबिक, आलोपतीचर थाना प्रभारी बिद्युत ठाकुरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव में जसीम उद्दीन के घर पर छापा मारकर 6 किलो 500 ग्राम सूखा गांजा जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की और गांजा को जब्त करने में कामयाब रही। पुलिस के अनुसार, गांजे को प्लास्टिक की थैली में रखा गया था और बेचने के लिए छुपाया गया था। पुलिस ने आरोपी जसीम उद्दीन के घर पर छापा मारकर गांजा जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गांजे की तस्करी के आरोप में जसीमुद्दीन (33) को गिरफ्तार किया है और इनुस अली (36) को गिरफ्तार कर पुलिस स्टेशन ले जाया गया और एनडीपीएस की धारा के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

काजीरंगा में बाढ़ की स्थिति गंभीर, आठ वन शिविर जलमग्न

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ब्रह्मपुत्र के बढ़ते जलस्तर से उद्यान का विशाल क्षेत्र जलमग्न हो गया है, जबकि आठ वन शिविर पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं। पिछले कई दिनों से जारी बारिश और नदियों के जलस्तर में वृद्धि के कारण उद्यान के भीतर तेजी से पानी भर रहा है। वन शिविरों के जलमग्न होने के बावजूद वनकर्मी बाढ़ के बीच रहकर गश्त और निगरानी का कार्य लगातार जारी रखे हुए हैं। बाढ़ के पानी से बचने के लिए हाथी, एक सींग वाले गैंडे, हिरण समेत विभिन्न वन्यजीव सुरक्षित स्थानों की तलाश में कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों की ओर पलायन कर रहे हैं।

कोकराझाड़ में ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक और परिवहन नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्णय

कोकराझाड़ (विभास)। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, कोकराझाड़ की एक बोर्ड बैठक आज जिला आयुक्त सह आरटीए अध्यक्ष पंकज चक्रवर्ती की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में कोकराझाड़ शहर में यातायात की भीड़भाड़ को कम करने और परिवहन परमिट नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कोकराझाड़ नगरपालिका क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में ई-रिक्शा के नए पंजीकरण पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। यह कदम शहर में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या, कोकराझाड़ नगरपालिका बोर्ड की सिफारिशों और जनता की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। बोर्ड ने यह भी तय किया है कि दूरदराज के इलाकों और हाईवे से आने वाले ई-रिक्शा के कोकराझाड़ शहर में प्रवेश और संचालन को प्रतिबंधित किया जाएगा, क्योंकि ई-रिक्शा मुख्य रूप से *लास्ट-माइल कनेक्टिविटी* के लिए हैं। इसके साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राज्य का कोई भी डीलर कोकराझाड़ शहर के 10 किमी दायरे के भीतर के पते पर किसी ई-रिक्शा का

पंजीकरण न करे। बिना काउंटर-हस्ताक्षर वाले परमिट वाहनों पर कार्रवाई होगी।आरटीए ने निर्देश दिया है कि अन्य क्षेत्रों या राज्यों के परिवहन प्राधिकरणों द्वारा जारी किए गए ऐसे यात्री वाहन, जिन पर सक्षम प्राधिकारी का आवश्यक काउंटर-हस्ताक्षर नहीं है, उन्हें कोकराझाड़ जिले में चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी, कोकराझाड़ को नियमों का उल्लंघन करने वाले ऐसे वाहनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

होजाई में डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास के सहयोग से तीन दिवसीय *भूपेंद्र संगीत* कार्यशाला संपन्न

होजाई (निसं)। भारतरत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी के अवसर पर होजाई साहित्य सभा के प्रयास से आयोजित तीन दिवसीय *भूपेंद्र संगीत* कार्यशाला की समापन 20 जुलाई की शाम संपन्न हुआ। यह कार्यशाला 18 जुलाई से सभा के साहित्यरथी बेजबरुवा भवन में शुरू हुई थी और डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास के सहयोग से पहली बार होजाई में आयोजित की गई थी। कार्यशाला में होजाई, लंका, गहागांव, काकी, कोमरकट्टा और वैठालांचु इलाकों से कुल 158 बच्चे, किशोर-किशोरियां, युवा और महिला संगीतप्रेमी शामिल हुए। प्रतिभागियों ने तीनों दिनों में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक भूपेंद्र संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

न्यास की ओर से कलाकार नित्यानंद डेका, रूपम भुंया और नमिता भट्टाचार्य क्रमश: समन्वयक व प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे और गीत प्रशिक्षण दिया। 20 जुलाई की शाम 2-30 बजे आयोजित समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास की संपादिका मञ्जुला हजारिका रहीं। समारोह में न्यासाध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार स्निग्धाशिखा बोरा, अनुपम लस्कर, प्रसिद्ध नाट्यकलाकार माणिक अहमद, अभिनेत्री जली लस्कर और डिंपी बर्मन सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को सम्मान-पत्र प्रदान किया गया। समारोह में लोकप्रिय कंठ शिल्पी नमिता भट्टाचार्य ने डॉ. भूपेन हजारिका के गीतों की विशेषताओं पर विस्तृत टिप्पणी की और कार्यक्रम में दो गीत भी प्रस्तुत किए। तीन दिन के कार्यशाला समन्वयक अनुप कुमार बरठाकुर रहे, जबकि न्यास की ओर से वाद्ययंत्री भाविराम बोड़ो और हिमांशु पाठक ने सहयोग प्रदान किया। आयोजक समिति के अध्यक्ष योगेन दत्ता एवं सचिव विमल कुमार नाथ ने सभी प्रशिक्षार्थियों, सहयोगियों और डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक न्यास के प्रति आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

सड़को पर संग्राम

हमने डॉक्टरों के कारखाने खुलते और कारोबार करते देखे हैं। हमने नेताओं के मेडिकल कॉलेज भी देखे हैं। नकली डॉक्टर भी देखे हैं। फर्जी लोगों ने परीक्षाएं भी दी हैं। पेपर लीक भी होते रहे हैं, आत्महत्याएं मनःस्थिति से जुड़ी हैं। किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन हमने इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा, छात्र आंदोलन भड़कते नहीं देखे। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने 'नीट' परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80,000 सीटें हैं। क्या व्यवस्था है कि युवा ने 'नीट' भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं, लेकिन अनशन कितने हुए? दरअसल राजधानी दिल्ली में आंदोलनजीवी, प्रदर्शनकारियों और उत्पातियों की एक पेशेवर जमात है। उसके चेहरे शाहीन बाग, अन्ना हजारे-केजरीवाल, महिला पहलवानों के प्रदर्शन और किसान आदि आंदोलनों में भी दिखाई दिए। वामपंथी दलों पर नारे लगाना और डफली बजाना इनकी खास पहचान है। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान भी यह जमात सक्रिय रही। उन्हें कौन 'फंडिंग' करता है? 'मोदी मर जा', 'शाह मर जा', 'मोदी को पीटेंगे', 'अनुच्छेद 370' और 'आजादी, आजादी' सरीखे नारों का शिक्षा की विसंगतियों और नीट पेपर लीक से क्या सरोकार है? यह उपद्रवियों की पेशेवर जमात का खास हुनर है, उनको पेशेवर ट्रेनिंग है। बीते सोमवार, 20 जुलाई, को संसद सत्र के पहले ही दिन, संसद भवन के 1.5 किमी. के दायरे में, हजारों युवाओं की ऐसी भीड़ आक्रोशित हो गई कि संसद भवन के सभी मोटे-बड़े मेन गेट बंद करने पड़े। हजारों पुलिसकर्मियों के अलावा, अद्र्धसैनिक बलों, रैपिड एक्शन फोर्स, पानी की तेज बौछार मारने वाले बल के जवानों को सड़कों पर उतरना पड़ा। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला एकदम सामने आ गया। बेशक भारत सबसे युवा राष्ट्र है। उसकी करीब 65 फीसदी आबादी की औसतन उम्र 35 साल है। 15-29 साल के आयु-वर्ग के 56 करोड़ से अधिक युवा हैं। ये भारत की ताकत और भविष्य हैं, लिहाजा किसी भी सूरत में उनका भरोसा टूटना नहीं चाहिए। लेकिन जो भीड़ संसद भवन में घुसना चाहती थी, वह वामदलों, कांग्रेस, 'आप' के छात्र-संगठनों के पेशेवर चेहरे थे। अचानक मनीष सिसोदिया, संजय सिंह सांसद सरीखे आप नेता और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व में सपा का हुजूम सड़कों पर कैसे आ गया? यकीनन यह राजनीतिक कवायद थी। अनशन और 'संसद चलो' का यह कथित आंदोलन पूरी तरह 'राजनीतिक' है, क्योंकि उनकी पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा है। वांगचुक की भी इच्छा है कि विभिन्न सांसद और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अस्पताल में आकर उनसे मिलें और उनकी मांगों पर आश्वासन दें। बहरहाल यदि यह शैक्षिक प्रदर्शन था, तो किन युवाओं ने पथराव किए, नतीजतन 5 आईपीएस अधिकारियों समेत 118 पुलिसकर्मी घायल हुए। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। बेशक 60 से अधिक प्रदर्शनजीवी भी घायल हुए हैं। करीब 70 लोग हिरासत में लिए गए हैं। इस पूरे उपद्रव के दौरान एक ऐसा नाम सामने आता रहा, जो कीट-भाव पैदा करता है। कीट-मकौड़ों की जनता नहीं हुआ करती, उनका लोकतंत्र नहीं होता, तिलचट्टे घर-घर पैदा होते रहे हैं, लिहाजा 'कॉकरोच जनता पार्टी' हमारे लोकतंत्र और राजनीतिक दलों पर एक भद्दा मजाक है। उसे 'राजनीतिक व्यंग्य' भी नहीं मान सकते। उसका चुनाव आयोग में कोई पंजीकरण नहीं है और न ही इस नाम से मान्यता दी जानी चाहिए।

> पेपर लीक भी होते रहे हैं, आत्महत्याएं मन:स्थिति से जुड़ी हैं। किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन हमने इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा, छात्र आंदोलन भड़कते नहीं देखे। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने 'नीट' परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80,000 सीटें हैं। क्या व्यवस्था है कि युवा ने 'नीट' भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं

धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

> पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग- ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है। राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे धरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उतावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है।

प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो।

देश | दुनीया से

सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी का प्रश्न

दिल्ली के बीचों-बीच जंतर-मंतर से बस थोड़ी ही दूर, जहां सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर बैठे थे, भारत की संसद है जो जल्द ही शुरू होने वाले मॉनसून सत्र की तैयारी कर रही थी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर वांगचुक का अनशन 21वें दिन में प्रवेश कर गया था। उसके दो दिन पहले एक जनहित याचिकाकर्ता ने कहा था कि अगर उन्हें जल्द ही कुछ खाने को नहीं मिला, तो उनका जीवन संकट में पड़ सकता है। एक मेडिकल टीम वहां मौजूद रही और विपक्ष के कई नेता सोनम से हड़ताल खत्म करने को कह रहे थे; उनका कहना था कि उन्होंने अपनी बात रख दी है, लेकिन दिल्ली के दिल में भारी सन्नाटा पसरा रहा। क्या सोनम वांगचुक को उनके हालात पर छोड़ दिया जाना चाहिये? आख़िरकार, किसी ने उनसे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए आमरण अनशन करने के लिए नहीं कहा। कुछ लोग कहेंगे कि इस हड़ताल में दबाव बनाने की नीति जैसा कुछ है, तो कुछ इसे ताकतवर लोगों की दुनिया में जनता की निराशा की पुकार मानेंगे। निश्चित रूप से, वांगचुक और उनके साथियों का मानना है कि नीट परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के लिए किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, वे गड़बड़ियां जिन्हें टाला जा सकता था और जिसने लाखों छात्रों को प्रभावित किया है। कुछ लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए-वरना इतने हंगामे और गुस्से का क्या मतलब था अगर इसका कोई नतीजा नहीं निकलने वाला? जंतर-मंतर पर वांगचुक के धरना स्थल (अब पुलिस हिरासत में अस्पताल में उपचाराधीन) के पास ही, मॉनसून सत्र की शुरुआत वाले दिन जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केंद्र सरकार द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने से इनकार करने के विरोध में एक दिन का प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। हालांकि उमर को तब तक प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली थी। इतना ही नहीं, श्रीनगर से उनकी पार्टी के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने उमर पर अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए लड़ने के अपने वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया। मेहदी गरजते हुए कहते हैं कि

कश्मीर के लिए विशेष दर्जा, पूर्ण राज्य के दर्जे से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। इल्ज़ाम मौसम को दिया जा सकता है, गर्मी इतनी है कि तल्ख़ियां बढ़ी हुई हैं, खासकर जब बारिश नहीं हो। शायद देवता नाराज हैं। फिर, अयोध्या में भी चोरी की घटना हुई है। तो क्या मेहदी की नाराज़गी यह संकेत देती है कि वे उमर से इतने नाराज़ हैं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में भी दो फाड़ हो सकता है? या हो सकता है कि मेहदी सही समय का इंतज़ार कर रहे हों और वंशवाद का पासा पलटने की उम्मीद पाले हैं। या फिर वे नेशनल कॉन्फ्रेंस में ही बने रहें, लेकिन जब भी भाजपा परिसीमन बिल लाने की योजना बनाए, तो उसके पक्ष में मतदान करें। इस बिल का मकसद विस्तारित संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा तय करना है- और यह समझने में कोई गलती न रहे कि इस बिल का मकसद चुनाव क्षेत्रों का नए सिरे से गठन करना है, जिससे भारत में मतदान का तरीका बदलेगा और लोकसभा की संरचना में भी बुनियादी बदलाव आएगा। संविधान में इतना बड़ा बदलाव करने के लिए, संविधान को सरसरी तौर पर पढ़कर भी आप समझ सकते हैं, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को दो-तिहाई बहुमत की ज़रूरत है- यानी निचले सदन की 543 सीटों में से 360 सीटें, जबकि अभी उनके पास 293 सीटें हैं। अगर वे उस बिल को दोबारा लाना चाहते हैं जो पिछले ही अप्रैल में सदन में गिर गया था, तो उन्हें 67 और सांसदों का साथ चाहिए होगा। और जैसा कि महान चाणक्य ने कहा था, प्यार, जंग और राजनीति में सब कुछ जायज़ है। इसीलिए टीएमसी की टूटन उनके काम आ रही है - 28 में से 20 सांसदों ने एक निर्दलीय पार्टी बना ली है जो बाहर से भाजपा का समर्थन करेगी; साथ ही शिवसेना (यूबीटी) का भी बुरा हाल है, जहां नौ में से छह सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना के ही भाजपा-समर्थक एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं; वहीं शरद पवार की एनसीपी में भी यह डर बना हुआ है कि अगर उन्होंने परिसीमन बिल के पक्ष में वोट नहीं दिया तो पार्टी खत्म हो जाएगी। इस तरह, भले ही मॉनसून के बादल नहीं बरसे, लेकिन 18वीं लोकसभा की फिज़ा काफी हद तक बदल चुकी है। जब मॉनसून सत्र शुरू होगा, तो यह उस लोकसभा से बिल्कुल अलग दिखेगी जिसे दो साल पहले हम लोगों ने चुना था, और यह सब बिना किसी चुनाव के हो गया। कुछ राज्यों में, मसलन, जम्मू-कश्मीर में, स्थिति आसान है। राज्य की कुल संसदीय 5 सीटों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास सिर्फ़ 2 सीटें हैं- 2 सीटें भाजपा के पास हैं और एक सीट बारामूला के इंजीनियर राशिद के पास है, जो निर्दलीय सांसद हैं। अगर मेहदी हाथ मिलाने को राजी हो जाएं और इंजीनियर राशिद को मनाया जा सके-क्योंकि 21वीं सदी में कौन नहीं लैंगिक समानता के पक्ष में होना चाहेगा? ध्यान रहे कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राशिद को संसद में शामिल होने की इजाज़त चंद दिन पहले ही दी है। शायद अब समय आ गया है कि आप अपनी पसंदीदा किताब 'जूलियस सीज़र' को फिर से पढ़ें। बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस नेता मदन मित्रा- जिन्होंने कभी ममता बनर्जी के प्रति वफ़ादारी की कसम खाई थी और टीएमसी से अलग हुए गुट के नेता रिताब्रत बनर्जी को ऐसी गालियां दी थीं जिन्हें सुनकर शरम आ जाए- उन्होंने इसके एक दिन बाद ही पाला बदल लिया और रिताब्रत बनर्जी के साथ चले गए।

कुछ | अलग

जागते रहो! जागते रहो!

लगता होगा, जिनका ऑफिस दस से पांच बजे तक लगता होगा। मेरा ऑफिस तो पांच बजे के बाद तब शुरू होता है जब मेरे जनता के प्रति जवाबदेह ग्यारह बजे आकर चार बजे अपना लंच बॉक्स उठाए खिसक लेते हैं। ऑफिस में पांच बजे के बाद काम करने का जो आनंद है, वह दस से पांच बजे करने में कहां? आज फिर राज के दस बजे जनता के काम निपटा अपने को एक्कस्ट्रा ऑर्डिनरी ड्यूटीफुल फील करता दबे कदमों घर आ रहा था कि गली में जागते रहो! जागते रहो! की आवाजें सुनाई दीं तो मैं चौंका। आखिर ये गली वालों से जागने की अपील कौन कर रहा है? वह भी रात को। जबकि मेरी गली वाले तो दिन को भी बहुधा सोए रहते हैं। जागते रहो! जागते रहो की आवाजें मेरे नजदीक आई या मैं उनके निकट पहुंचा तो देखा, अपनी गली के तीन चार अपने अपने सुबह शाम पूजनीय एक हाथ में लालटेन तो दूसरे में डंडा लिए गली वालों से जागते रहने की भावभीनी अपील कर रहे थे। उनमें से एक जो मेरे थे, को मैंने पहचाना तो उनसे हाथ जोड़ते पूछा, 'दाता! भक्तों की आस्था की बची नाक क्यों काट रहे हो? क्या वे सारे नपुंसक हो गए या फिर...।' 'नहीं, अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं बस! सरकार के खजाने में तो डाके पड़ते ही रहते थे, पर अब जगह जगह हमारे घरों में भी डाके डलने लगे हैं', मेरे पूजनीय ने सहमे सहमे कहा तो उनमें से एक ने फिर आवाज दी, जागते रहो! जागते रहो! 'उस बेचारी के पहले ही वीवीआइपियों की सुरक्षा करते करते इतने बुरे हाल हैं कि...', कह वे पता नहीं क्यों चौकन्ने हो इधर उधर देखने लगे।

आप का | नजरीया

सरकारी नौकरी के नाम

इस बार फाइलें खूब लड़ीं। छह हजार नौकरियों की फाइलें और विभिन्न विभागों में रिक्तियों के जमघट। गिनती और बढ़ेगी क्योंकि विभिन्न विभागों में कई पद अभी भी रिक्त पड़े हैं। बहरहाल मंत्रिमंडल ने हिमाचल के कई क्षेत्रों को यह आश्वासन दिया कि सरकार अपने कामकाज की उत्कृष्टता को बारीकी से देखने में सक्षम है। इसी परिप्रेक्ष्य में नौकरियों का अंबार ढोल बजा रहा है। यहां हम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नौकरियों का आवंटन देखें तो पता चलता है कि प्रदेश गांवों में बसता है। ग्राम पंचायतों के दायरे में 400 मल्टी टास्क वर्करों की नियुक्ति से कई अवरोध हटेंगे। दूसरा क्षेत्र स्कूलों की परिधि में पुकार रहा है, जहां एक साथ 3950 चौकीदार और मल्टी टास्क वर्कर भर्ती हो रहे हैं। वैसे सरकारी इमारतों के बचाव और रखवाली के लिए एक बड़ी टास्क फोर्स की जरूरत बरकरार है। आश्चर्य यह है कि नए भवनों की पपडियों में घास उगता है, लेकिन परिसर के प्रांगणों में फूलों की जगह झाडियां उग आती हैं। हमने तो जिलाधीश कार्यालयों में कांटे उगते देखे हैं, फरियादी फिर भी इसे न्याय की अमानत समझते हैं। स्कूलों के पुस्तकालय आंदोलन को मजबूती देने के लिए 200 पदों के तहत लाइब्रेरी असिस्टेंट आएंगे। पंचायतों को टेक्नीकल जॉब ट्रेनी के रूप में 280 युवा मिलेंगे, यानी सरकारी नौकरी के बाजार में 'नाम' होगा और काम भी होगा। कई ऐसी कैटेगिरी हैं जिन्हें वक्त ही पूर्णता प्रदान करेगा। इसी संदर्भ में पुलिस में भी ढांचागत भर्तियों के दरबार खुल रहे हैं। आठ सौ पुलिस कांस्टेबल भर्ती का पैमाना फिर खुला है और इस बार खास यह कि आयु सीमा में प्रार्थी को एक साल की छूट प्रदान हो जाएगी। पुलिस जिला नूरपुर को व्यावहारिक बनाने की मांग पर 102 पदों की मंजूरी मिल रही है। पदों के चयन और नौकरियों के कार्यान्वयन से कई संस्थान सिर उठा रहे हैं। नादौन में राज्य खेल उत्कृष्टता केंद्र के नाम लिखी जा रही वसीयत में इजाफा यह कि एक साथ 48 पद सृजित हो रहे हैं। इसी तरह एकीकृत एक्वा पार्क को मुकम्मल करने के लिए 15 पदों का सृजन हो रहा है। मंत्रिमंडल की बैठक में विभिन्न मेडिकल कालेजों, खेल संस्थानों तथा विभिन्न विभागों की फौरी जरूरतों के अनुरूप पद स्वीकृत हो रहे हैं। इसी संदर्भ में नागरिक, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में कई रिक्तियों के पन्ने पुकार रहे हैं। डाक्टर व पैरा मेडिकल स्टाफ की कमी महसूस की जाती है, हालांकि असिस्टेंट स्टाफ नर्स के 800 पद सृजित हो रहे हैं। बहरहाल सरकार ने एक साथ छह हजार के करीब नौकरियों के दरवाजे खोल कर चयन प्रक्रिया की हौसला अफजाई की है तथा युवा वर्ग की धमनियों में आशा का रक्त संचार किया है। यह दीगर है कि नौकरी की स्थायी परख में निजी क्षेत्र काफी आगे है। हिमाचल में सबसे अधिक रोजगार रिटेल मार्केटिंग, ऑनलाइन कामर्स और पर्यटन क्षेत्र में मिल रहा है। रोजगार की निजी मंडी को भी गाहे-बगाहे सरकार की ओर से प्रोत्साहन की जरूरत है। बीबीएन तथा अन्य औद्योगिक केंद्रों में रोजी-रोटी पा रहे हिमाचली युवाओं को ऐसे छात्रावासों की जरूरत है, जहां वे सस्ते में रह सकें। इसी तरह स्कूल-कालेजों में रोजगार के मार्गदर्शक कार्यक्रम चलाने होंगे। हिमाचल में ग्रामीण, सामुदायिक व प्रोफेशनल विषयों पर कालेज चाहिएं। आश्चर्य यह होता है कि तकीपुर कालेज के छात्रों को रोजगार प्रदत्त शिक्षा नहीं, साइंस की क्लासें चाहिएं। काश वहां के बाशिंदे डेयरी या कृषि विषयों में क्लासें चलाने की मांग करते। क्यों नहीं नगरोटा सूरियां कालेज को कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना दिया जाता या नालागढ़ कालेज को औद्योगिक रोजगार ट्रेनिंग एंड लर्निंग का हब बना दिया जाता।

> छह हजार नौकरियों की फाइलें और विभिन्न विभागों में रिक्तियों के जमघट। गिनती और बढ़ेगी क्योंकि विभिन्न विभागों में कई पद अभी भी रिक्त पड़े हैं। बहरहाल मंत्रिमंडल ने हिमाचल के कई क्षेत्रों को यह आश्वासन दिया कि सरकार अपने कामकाज की उत्कृष्टता को बारीकी से देखने में सक्षम है। इसी परिप्रेक्ष्य में नौकरियों का अंबार ढोल बजा रहा है। यहां हम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नौकरियों का आबंटन देखें तो पता चलता है कि प्रदेश गांवों में बसता है। ग्राम पंचायतों के दायरे में 400 मल्टी टास्क वर्करों की नियुक्ति से कई अवरोध हटेंगे। दूसरा क्षेत्र स्कूलों की परिधि में पुकार रहा है, जहां एक साथ 3950 चौकीदार और मल्टी टास्क वर्कर भर्ती हो रहे हैं। वैसे सरकारी इमारतों के बचाव और रखवाली के लिए एक बड़ी टास्क फोर्स की जरूरत बरकरार है। आश्चर्य यह है कि नए भवनों की पपडियों में घास उगता है, लेकिन परिसर के प्रांगणों में फूलों की जगह झाडियां उग आती हैं। हमने तो जिलाधीश कार्यालयों में कांटे उगते देखे हैं, फरियादी फिर भी इसे न्याय की अमानत समझते हैं। स्कूलों के पुस्तकालय आंदोलन को मजबूती देने के लिए 200 पदों के तहत लाइब्रेरी असिस्टेंट आएंगे। पंचायतों को टेक्नीकल जॉब ट्रेनी के रूप में 280 युवा मिलेंगे, यानी सरकारी नौकरी के बाजार में 'नाम' होगा और काम भी होगा। कई ऐसी कैटेगिरी हैं जिन्हें वक्त ही पूर्णता प्रदान करेगा। इसी संदर्भ में पुलिस में भी ढांचागत भर्तियों के दरबार खुल रहे हैं। आठ सौ पुलिस कांस्टेबल भर्ती का पैमाना फिर खुला है और इस बार खास यह कि आयु सीमा में प्रार्थी को एक साल की छूट प्रदान हो जाएगी। पुलिस जिला नूरपुर को व्यावहारिक बनाने की मांग पर 102 पदों की मंजूरी मिल रही है।

दृष्टि | कोण

प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता का संकट

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र केवल प्रश्नों का संग्रह नहीं होता, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, अभिभावकों के त्याग और राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का दस्तावेज होता है। जब किसी प्रतिष्ठित परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आती है, तो केवल परीक्षा की निष्पक्षता ही नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था पर जनता का विश्वास भी डगमगा जाता है। नीट-यूजी 2026 के पेपर लीक और उसके बाद हुई पुनर्परीक्षा ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता केवल परिणाम घोषित करने में नहीं, बल्कि निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने में निहित है। यह घटना केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारतीय परीक्षा तंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य के लिए महंगा साबित हो सकता है। नीट देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी डॉक्टर बनने का सपना लेकर वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। अनेक परिवार अपनी जमा पूंजी बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर देते हैं, कुछ ऋण लेते हैं, तो कुछ अपनी आवश्यकताओं में कटौती करते हैं ताकि उनके बच्चे बेहतर तैयारी कर सकें। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो सबसे अधिक पीड़ा उन विद्यार्थियों और अभिभावकों को होती है जिन्होंने सफलता का आधार केवल ईमानदार मेहनत को माना होता है। पुनर्परीक्षा आयोजित करना परिस्थितियों में आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन यह कभी भी आदर्श समाधान नहीं हो सकता, क्योंकि इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों को दोबारा मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। कई विद्यार्थी जो पहले प्रयास में ही आत्मविश्वास से भरे हुए थे, पुनर्परीक्षा के तनाव में अपना संतुलन खो बैठते हैं, और यह अनुभव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकता है। इन आंकड़ों और नीतिगत चर्चाओं के पीछे लाखों वास्तविक चेहरे और कहानियां छिपी होती हैं- वह

विद्यार्थी जो रात-रात भर जागकर पढ़ता रहा, वह माता-पिता जिन्होंने अपने सपनों को बच्चे की सफलता में देखा, और वह क्षण जब खबर आती है कि जिस परीक्षा के लिए इतना त्याग किया गया, वही अविश्वसनीय निकली। ऐसे में विद्यार्थियों के मन में उठने वाला गुस्सा और निराशा स्वाभाविक है, और इसे केवल एक तकनीकी या प्रशासनिक चूक के रूप में नहीं, बल्कि लाखों जिंदगियों पर पडने वाले वास्तविक भावनात्मक प्रभाव के रूप में भी समझा जाना चाहिए। यह समस्या केवल नीट तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, कर्मचारी चयन, विश्वविद्यालय प्रवेश और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पेपर लीक अथवा परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। प्रत्येक ऐसी घटना युवाओं के मन में यह प्रश्न छोड़ जाती है कि क्या उनकी वर्षों की मेहनत वास्तव में सुरक्षित है। यदि प्रतिभा के स्थान पर छल और भ्रष्टाचार को अवसर मिलने लगे, तो नुकसान केवल किसी परीक्षा का नहीं होता, बल्कि समाज की नैतिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी होता है। प्रतिभाशाली युवाओं का व्यवस्था से विश्वास उठना किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। जब मेधावी छात्र यह महसूस करने लगते हैं कि ईमानदारी से अधिक महत्व साधनों और संपर्कों का है, तो वे या तो व्यवस्था छोडने का विकल्प चुनते हैं या स्वयं भी अनुचित मार्गों की ओर आकर्षित होने लगते हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकाल में पूरे समाज के लिए हानिकारक सिद्ध होती है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जवाबदेही है।

जयपुर में हाई-वोल्टेज प्रदर्शन : कांग्रेस कार्यालय घेरने निकली भाजपा पर पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

जयपुर (हिंस)। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के धरने, संसद की कार्यवाही बाधित करने तथा जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को जयपुर में प्रदेशव्यापी शक्ति प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्यालय से कांग्रेस प्रदेश कार्यालय की ओर हजारों कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने चौमूं हाउस सर्किल पर बैरिकेडिंग कर मार्च को रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई तथा स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। प्रदर्शन के कारण गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे और आसपास के क्षेत्रों में यातायात प्रभावित रहा तथा वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा और अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। भाजपा प्रदेश कार्यालय से निकले जुलूस में प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी, भूपेंद्र सैनी, महिला मोर्चा

प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक कालीचरण सर्राफ, गोपाल शर्मा, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष शंकर गोरा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति और युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लिए कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़े, लेकिन चौमूं हाउस सर्किल पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने पर कई कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। पहले पुलिस ने समझाइश की, लेकिन भीड़ के नहीं मानने पर वाटर कैनन से पानी की तेज बौछार की गई। पानी की बौछार के बावजूद कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी पूरी तरह भीग गए, लेकिन उन्होंने वहीं खड़े होकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी का धरना भारतीय संसदीय परंपराओं के विपरीत है और इससे लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि *56 वर्ष की आयु में भी राहुल गांधी की राजनीति बचकानी है। वे अपनी बातों पर टिकते नहीं और केवल राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़ा करते हैं।* उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक विरोध का सम्मान करती है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। राठौड़ ने आरोप लगाया कि पेपर लीक के नाम पर दिल्ली में चलाया गया आंदोलन छात्रों का आंदोलन नहीं बल्कि सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र था। उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों में भर्ती घायलों की जानकारी लेने पर उनमें कोई भी छात्र नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए कश्मीर, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से बाहरी लोगों को बुलाया गया। उनके अनुसार प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी, देश विरोधी नारे और धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली गतिविधियां हुईं। राठौड़ ने कहा कि पूरे मामले की जांच चल रही है और यह सामने आ जाएगा कि प्रदर्शन के लिए धन कहां से आया तथा भीड़ कैसे जुटाई गई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को भी राजनीतिक बताया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय संस्कृति, इतिहास और महापुरुषों को शिक्षा व्यवस्था में उचित स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, तेजाजी महाराज और देवनारायण जैसे महापुरुषों को पाठ्यक्रम में सम्मानजनक स्थान देने का कार्य किया गया है, जिससे विपक्ष असहज है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसी कारण शिक्षा मंत्री को निशाना बना रहा है। मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 17 बार पेपर लीक और विश्वविद्यालयों के दो प्रश्नपत्र लीक हुए थे। तब न तो मुख्यमंत्री ने नैतिक जिम्मेदारी ली और न ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस किस आधार पर इस्तीफे की मांग कर रही है।

राहुल गांधी के समर्थन और छात्रों के मुद्दे पर कांग्रेस का बक्सर में कैंडल मार्च

बक्सर (हिंस)। प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं विपक्षी सांसदों के साथ दिल्ली में कथित दुर्व्यवहार तथा छात्रों के मुद्दों को लेकर बुधवार को बक्सर जिला कांग्रेस अति पिछड़ा प्रकोष्ठ और जिला कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में भगत सिंह चौक से कैंडल मार्च निकाला गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद कुशवाहा और किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय पांडे ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र, संविधान और छात्रों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लेते हुए शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है तथा छात्रों से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार गंभीर नहीं है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता, संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। उन्होंने छात्रों, किसानों, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों के समाधान पर सरकार का ध्यान केंद्रित करने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस सदस्य डॉ. प्रमोद ओझा ने भी लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा पर बल दिया। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान, युवा और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

ब्रिक्स बैठक के दौरान चंडीगढ़ में आयुष की समृद्ध परंपरा से अवगत हो रहे विदेशी मेहमान

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ में आयोजित 16वीं ब्रिक्स 2026 बैठक के दौरान आयुष मंत्रालय द्वारा देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों को आयुष जोन के माध्यम से आयुष की समृद्ध परंपरा से अवगत करवाया जा रहा है। आयुष जोन में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने आयुष के विभिन्न पहलुओं का अनुभव किया, जिनमें आहार, वेलनेस, योग, हर्बल विरासत और अनुसंधान व नवाचार शामिल थे। इस पहल ने पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा के क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया। आयुष आहार के क्षेत्र में यह बताया गया है कि जो आहार हम खाते हैं वह किस तरह से स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इंस्टीट्यूट ऑफ काउंसिल द्वारा तैयार किए गए रागी के बिस्कुट, आंवला मुरब्बा जहां भारत के पुरातल खान पान का प्रदर्शन कर रहे हैं वहीं त्रिफला को जैम का रूप देकर इसे स्वदेशी तथा विदेशी टेबल तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। आमतौर पर त्रिफला खाने में स्वाद नहीं लगता, लेकिन जैम के स्वरूप में यह हर किसी को पसंद आ रहा है। भारतीय गुलाब से बना गुलकंद तथा घी कंवार का हलवा विदेशी मेहमानों को युनानी उत्पादों का महत्व बता रहा है। यह सम्मेलन के दौरान सिद्धा ने नया उत्पाद हैबिक्स टी लांच की है। यह हैबिक्स के फूलों से बनी हुई चाय है। आहार एक्सपीरियंस जोन में मिलेट्स के बिस्कुट विदेशी प्रतिभागियों को पसंद आ रहे हैं। इसी जोन में हेल्थ और वेलनेस की गाइडेंस तथा प्राकृति परीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा यहां भारतीय मसालों को भारतीय फार्मेसी के माध्यम पेश करते हुए मेडिसन प्लांट तुलसी, आजवायन, शतावरी आदि को दवा के रूप में पेश किया गया है। आयुष ग्रिड डिजिटल के माध्यम से आयुष की सभी सेवाओं को डिजिटल प्लेटफार्म में पेश किया गया है।

चंडीगढ़ में ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक का दूसरा दिन, डिजिटल हेल्थ और महामारी तैयारियों पर मंथन

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ में 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक के दूसरे दिन बुधवार को सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने डिजिटल स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, महामारी से निपटने की तैयारियों और मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण पर विस्तृत चर्चा की। सचिव स्तर की बैठकों में ब्रिक्स देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और आधुनिक तकनीक के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने ब्रिक्स देशों से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ विशेष योग सत्र में हिस्सा लिया। करीब 45 मिनट तक चले योग प्रोटोकॉल के माध्यम से विदेशी मेहमानों को भारत की प्राचीन योग परंपरा और समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण से परिचित कराया

गया। योग सत्र ने सदस्य देशों के बीच मित्रता और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया। बैठक में योग को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए भी उपयोगी बताया गया। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास, आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयुर्वेद) डॉ. ए रघु और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया। उन्होंने पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा प्रणालियों के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर विचार रखे। ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने बैठक स्थल पर बनाए गए आयुष जोन का भी दौरा किया। यहां उन्हें आयुष आहार, योग, वेलनेस, हर्बल विरासत, आयुर्वेदिक उत्पादों तथा अनुसंधान और नवाचार से जुड़ी पहलों की जानकारी दी गई। भारत ने इस प्रदर्शनी के माध्यम से अपनी प्राचीन चिकित्सा परंपरा को आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ जोड़ने का मॉडल प्रस्तुत किया। प्रतिनिधियों ने भारत के डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम, आयुष पवेलियन और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की फूड सेफ्टी वैन का भी निरीक्षण किया। फूड सेफ्टी वैन में *हेल्दी स्नेक्स एंड लैडर्स* खेल के माध्यम से स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार का संदेश रोचक तरीके से दिया गया। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि महामारी जैसी भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के बीच समय पर सूचनाओं, तकनीक और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान जरूरी है।

केंद्र सरकार पर बरसे सचिन पायलट, जयपुर में *छात्रों की गूंज* कार्यक्रम में युवाओं से किया संवाद

जयपुर/दौसा (हिंस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने छात्रों के मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। दौसा में मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि सरकार का रवैया लाखों युवाओं के सपनों को कुचलने वाला है और पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं तथा छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार जवाबदेही से बच रही है। पायलट ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे शांतिपूर्ण तरीके से छात्रों की मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे थे, लेकिन उनके साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर मुकदमे दर्ज किए गए, लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। उन्होंने कहा कि कई छात्र घायल हुए हैं और सरकार को उनके साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि छात्र लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। पायलट ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि परीक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आ रही खामियों से युवाओं का भरोसा कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होते हैं, परीक्षाएं रद्द होती हैं और नियुक्तियां अटकती हैं तो युवाओं के सामने भविष्य को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो जाता है। पायलट ने कहा कि लोकतंत्र में धरना देना, प्रदर्शन करना और अपनी मांग रखना संवैधानिक अधिकार है। विपक्ष की आवाज को दबाने, नेताओं को हिरासत में लेने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अहंकारपूर्ण रवैया अपनाकर युवाओं, किसानों और आम लोगों की समस्याओं से मुंह मोड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कोचिंग और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि देशभर में करोड़ों रुपये खर्च कर तैयारी करने वाले युवाओं को बार-बार निराशा का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को युवाओं का विश्वास बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। इधर, जयपुर में डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी (आंबेडकर छात्रावास) परिसर में राहुल गांधी के आह्वान पर चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान *छात्रों की गूंज* के तहत आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम में भी सचिन पायलट ने भाग लिया। कार्यक्रम में उन्होंने छात्रों और युवाओं से संवाद करते हुए शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

ओएमआर घोटाले की जांच पर भाजपा को जवाब देना चाहिए : अशोक गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर भाजपा सरकार पर युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शांतिपूर्ण प्रदर्शन से भाजपा परेशान दिखाई दे रही है, जबकि उसे युवाओं के भविष्य और भर्ती परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं पर जवाब देना चाहिए। गहलोत ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि वर्ष 2013 से 2018 के बीच भाजपा शासनकाल में 12 पेपर लीक की घटनाएं हुई थीं, लेकिन उस समय न कोई कठोर कानून बनाया गया और न ही दोषियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से पेपर लीक माफिया को बढ़ावा मिला। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पेपर लीक के खिलाफ देश का सबसे कठोर कानून बनाया था। वर्ष 2022 में लाए गए कानून में दोषियों के लिए आजीवन कारावास, संपत्ति जब्ती और 10 करोड़ रुपए तक जुर्माने का

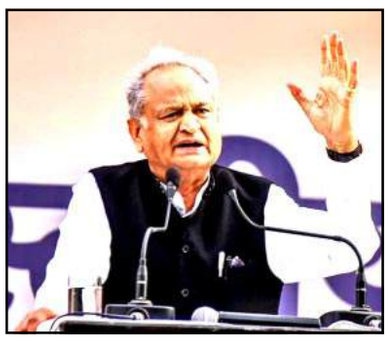

प्रावधान किया गया। उन्होंने दावा किया कि आजीवन कारावास का प्रावधान करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बना। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना किसी को बख्शे कार्रवाई की थी। आरपीएससी के तत्कालीन सदस्य तक को गिरफ्तार किया गया, पेपर लीक माफिया की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई की गई, दोषी कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया तथा प्रभावित परीक्षाओं को रद्द कर पुनर्परीक्षा आयोजित कर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। उन्होंने भाजपा सरकार से राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएसबी) की परीक्षाओं में सामने आए कथित ओएमआर घोटाले पर भी जवाब मांगा। गहलोत ने कहा कि ओएमआर शीट बदलने वाले गिरोह का खुलासा होने और एसओजी द्वारा बोर्ड के तकनीकी प्रमुख तक को गिरफ्तार किए जाने के बावजूद सरकार अपने कार्यकाल में हुई परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच की घोषणा नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी कारण इस मामले के आरोपी जमानत पर बाहर आ गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों पर लाठियां बरसाने और ओएमआर घोटाले को दबाने के आरोपों का सामना कर रही भाजपा सरकार को कांग्रेस पर सवाल उठाने से पहले युवाओं के हितों से जुड़े मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने सरकार से ओएमआर घोटाले की निष्पक्ष जांच कराने और पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने की मांग की।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

सोनीपत (हिंस)। संयुक्त किसान मोर्चा की जिला कमेटी ने अखिल भारतीय समिति के आह्वान पर भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के विरोध में बुधवार को प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुतले फूंके गए तथा राष्ट्रपति के नाम बुधवार को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन से पहले छोटूराम धर्मशाला में सभा आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य कामरेड श्रद्धानंद सोलंकी ने की, जबकि संचालन कॉमरेड ईश्वर सिंह राठी ने किया। वक्ताओं ने कहा कि यदि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता लागू होता है तो इसका सबसे अधिक असर किसानों और आम जनता पर पड़ेगा। उनका कहना था कि इससे अनाज, दाल और डेयरी उत्पादों से जुड़े किसानों को नुकसान होगा और उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार बड़े उद्योगपतियों के हितों और अमेरिकी दबाव में यह समझौता करना चाहती है। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही रोजगार की समस्या बनी हुई है और युवाओं को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनका दावा था कि यह समझौता लागू होने पर हालात और कठिन हो सकते हैं। वक्ताओं ने पेपर लीक जैसे मामलों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने बताया कि आगामी अट्ठाईस जुलाई को दिल्ली में संगठन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा। इसके बाद उनतीस जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का संयुक्त सम्मेलन तालकटोरा स्टेडियम में होगा, जिसमें किसान और मजदूर संगठनों की आगे की रणनीति तय की जाएगी। सभा के बाद किसान छोटूराम धर्मशाला से जुलूस के रूप में पुलिस लाइन पहुंचे। वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुतले फूंके गए तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा गया।

समरस समाज के लिए मिलकर करें कार्य : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशक्त, समरस और विकसित राष्ट्र निर्माण में सभी की समान भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जब आम जन जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर सेवा, सहयोग और सद्भाव के भाव से जुड़ता है, तभी समरस समाज का निर्माण होता है। बागडे बुधवार को श्री पारदेश्वर महादेव मंदिर में अनंत श्री विभूषित श्रीमद् जगतगुरु स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती के सान्निध्य में आयोजित *समरसता महामहोत्सव* में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति अनेकता में एकता और सामाजिक समरसता से आरम्भ से जुड़ी रही है। उन्होंने श्री यदुनाथ सरकार की अपनी पुस्तक *शिवाजी एंड हिज टाइम* की चर्चा करते हुए कहा कि प्रयाग में मुगलों ने एक अक्षय वट वृक्ष को काट कर उस पर एक बड़ा तवा इस उद्देश्य से रख दिया था कि अब वृक्ष चूंकि कट चुका है अत: स्वत: ही समाप्त हो जाएगा। किंतु, कुछ समय पश्चात उस अक्षय वट वृक्ष में फिर से कपोलें फूट आईं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पेड़ को काटने के बाद भी उसमें से कोंपले फुट आती है, उसी प्रकार से भारतीय समरस समाज की जो सनातन शक्ति है, वह अराजक ताकतों से मुकाबला करते हुए निरंतर अपने आपको कायम रखती है। राज्यपाल ने कहा कि *एक भारत श्रेष्ठ भारत* की संकल्पना का मूल भी यही है कि धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर विभिन्न विघटनाकारी शक्तियों को समाप्त कर समरस महामहोत्सव के जरिए हम जीवन के आलोक पथ से जुड़े। उन्होंने सनातन संस्कृति को मानवीय मूल्यों और *वसुधैव कुटुम्बकम* से जुड़ी समरस संस्कृति बताते हुए राष्ट्र प्रथम की सोच से जुड़ कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने इससे पहले पारदेश्वर महादेव की पूजा अर्चना भी की और सबके मंगल और खुशहाली की कामना की। उन्होंने जगतगुरु स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती को अपनी श्रद्धा निवेदित की।

जलभराव किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर महानगर में जलभराव की समस्या को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जलभराव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान शहर के किसी भी हिस्से में पानी जमा नहीं होना चाहिए। यदि जल निकासी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री बुधवार को एनेक्सी भवन सभागार में जिले के विकास कार्यों, बाढ़ बचाव तथा जलनिकासी की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने नगर निगम, सिंचाई, लोक निर्माण, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के सभी बड़े और छोटे नालों तथा नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। जहां आवश्यक हो वहां अतिक्रमण हटाकर जल निकासी का मार्ग साफ कराया जाए। बारिश के समय नगर निगम के

सभी पंप पूरी क्षमता से संचालित हों ताकि कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने नाला निर्माण एवं मरम्मत के प्रस्ताव समय से तैयार कर निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। राप्ती कांप्लेक्स, गोरक्ष एंक्लेव, विजय चौराहा और धर्मशाला क्षेत्र में पूर्व में हुई जलभराव की स्थिति की जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नालों की सफाई के बाद उन्हें ढका जाए तथा कोई भी नाली खुली न छोड़ी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जाए ताकि नालियां चोक न हों। उन्होंने नागरिकों को भी जागरूक करने पर जोर देते हुए कहा कि लोग कूड़ा नालियों में न डालें। प्रत्येक वार्ड, मलिन बस्ती और खाली भूखंडों की नियमित सफाई कराई जाए। फॉगिंग, छिड़काव और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था भी प्रभावी ढंग से संचालित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान को नियमित कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए और इसमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी शासकीय भवनों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित किया जाए। सभी स्ट्रीट लाइटें सुचारु रूप से कार्य करें तथा सार्वजनिक सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील और अद्यतन रहें। बैठक में मुख्यमंत्री ने नगर निगम को निर्देशित किया कि बेसहारा गोवंश सड़कों पर न दिखाई दें। इनके संरक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए डॉग शेल्टर विकसित किए जाएं ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में एंटी स्नेक वेनम और एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध रहे, ताकि बारिश और बाढ़ के मौसम में किसी भी आपात स्थिति का तुरंत सामना किया जा सके। बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी तटबंधों की नियमित पेट्रोलिंग की जाए।

नेस्ले इंडिया को पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 958.68 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

दैनिक उपभोग की वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के अपने नतीजे का ऐलान कर दिया है। नेस्ले इंडिया का अप्रैल-जून में एकीकृत शुद्ध लाभ (मुनाफा) 48.26 फीसदी बढ़कर 958.68 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 646.59 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उत्पादों की बिक्री से नेस्ले इंडिया का राजस्व 25.4 फीसदी बढ़कर 6,363.27 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5073.96 करोड़ रुपये था।

नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मनीष तिवारी ने कहा, हमने मात्रा वृद्धि के दम पर बिक्री में 25.4 फीसदी वृद्धि के साथ मजबूत तिमाही प्रदर्शन किया। बिक्री 6,363.3 करोड़ रुपये रही, जिसे हमारे ब्रांडों पर उपभोक्ताओं के निरंतर भरोसे और प्रभावी क्रियान्वयन का समर्थन मिला। वहीं, भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में 35.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

इसी तरह वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में नेस्ले इंडिया की कुल आय 25.5 फीसदी बढ़कर 6,400.65 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5,100.33 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल खर्च 20.71 फीसदी बढ़कर 5,070.03 करोड़ रुपये रहा।

अप्रैल-जून तिमाही में घरेलू बिक्री 25 फीसदी बढ़कर 6,073.05 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 4,860.01 करोड़ रुपये थी। वहीं, कंपनी का निर्यात राजस्व 35.64 फीसदी बढ़कर 290.22 करोड़ रुपये हो गया। तिवारी ने कहा कि पहली तिमाही के दौरान कंपनी ने परिचालन लागत में बचत के प्रयासों को और तेज करने के साथ अपने ब्रांडों में निवेश बढ़ाना जारी रखा। इसके अलावा विज्ञापन पर खर्च में 40 फीसदी से अधिक की वृद्धि की गई और कंपनी का कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) मार्जिन 24.2 फीसदी रहा।

नेस्ले इंडिया दैनिक उपभोग (एफएमसीजी) की एक प्रमुख कंपनी है। इस कंपनी का मुख्यालय गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। इसकी शुरुआत 1912 में हुई थी। ये मैगी, नेस्कैफे, किटकैट और सेरेलैक जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स बनाती है। कंपनी के भारत में कुल 9 निर्माण संयंत्र हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। सेमीकंडक्टर स्टाक्स में तेजी आने की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार पिछले सत्र के दौरान पाजिटिव मूड में बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 385.38 अंक यानी 0.74 प्रतिशत उछल कर 52,224.64 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,509.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 329.13 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,837.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,171.90 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,585.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,363.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 164.66 अंक यानी 0.66 प्रतिशत उछल कर 25,011.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए है, जबकि चार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 126.50 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,043 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

हैवेल्स ने पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया, लायड कंज्यूमर सेगमेंट ने किया निराश

नई दिल्ली। कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल और ड्यूरेबल्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैवेल्स इंडिया ने पहली तिमाही में राजस्व के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसका परिचालन प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। जहां केबल और वायर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और अक्षय ऊर्जा कारोबार की वजह से राजस्व वृद्धि अच्छी रही, वहीं लायड कंज्यूमर सेगमेंट ने निराश किया। हालांकि कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर असर पड़ा, लेकिन उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में मार्जिन में सुधार होगा, जिसका कारण कीमत वृद्धि और विपणन खर्च सामान्य होना है। पिछले छह महीनों में इस शेयर का प्रदर्शन बीएसई 100 के मुकाबले काफी खराब रहा है। इस दौरान इसमें 16 फीसदी की गिरावट आई, जबकि प्रमुख सूचकांक में 4 फीसदी की कमजोरी रही।

महाराष्ट्र सरकार ला रही है देश का पहला ब्लाकचेन लैंड कानून, अब जमीन के मूल्य के आधार पर जारी टोकन के जरिए होंगे लेन-देन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज आफ लैंड टोकन ऐसेट (डेल्टा) अधिनियम पर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस अधिनियम का मकसद अचल संपत्तियों का ब्लाकचेन-आधारित टोकनाइजेशन करना है। टोकनाइजेशन जानकारियां सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है जिसमें संवेदनशील जानकारियां टोकन में तब्दील कर दी है। राज्य सरकार जमीन की वास्तविक क्षमता या अव्यक्त मूल्य का लाभ लेने और साल 2030 तक 1 लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में राजस्व के नए स्रोत तैयार करना चाह रही है। सोमवार को राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य ने प्रस्तावित अधिनियम के मसौदे पर चर्चा की।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला श्री बालाजी माला टेक्सटाइल का आईपीओ, 29 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

माला साड़ी ब्रांड की साड़ियों की निर्माता कंपनी श्री बालाजी (माला) टेक्सटाइल लिमिटेड का 18.90 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 28 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12:30 बजे तक ये आईपीओ 1.30 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 66 रुपये से लेकर 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,80,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 27 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.19 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.33 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.44 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.04 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं मानसी शेयर एंड स्टाक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

श्री बालाजी (माला) टेक्सटाइल लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.46 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.95 करोड़

रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 5.85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 195.89 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 202-25 में घट कर 193.44 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 212.40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 51.37 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 48.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 69.08 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 16.70 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 21.65 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ उछल कर 27.51 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ा। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 15.98 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 20.93 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस मामूली गिरावट के साथ 20.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमाड्रटाइजेशन) 2023-24 में 10.23 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 13.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 15.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है।

भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में प्रति किलोग्राम 200 रुपये की गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अबतक 3 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने दाखिल किया रिटर्न

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल किए जा चुके हैं, जिनमें से अकेले 21 जुलाई को 15 लाख से ज्यादा रिटर्न दाखिल किए गए हैं। आयकर विभाग ने बुधवार को बताया कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए पहले ही 3 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए जा चुके हैं, जबकि अकेले मंगलवार, 21 जुलाई को ही 15 लाख से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए हैं। डेडलाइन के समय होने वाली भीड़-भाड़ का इंतजार न करें। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई 2026 से पहले फाइल करें। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई की डेडलाइन उन लोगों के लिए है, जिन्हें आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल करना है। आमतौर पर अगर आपकी सालाना आय इनकम टैक्स छूट की सीमा से ज्यादा है, तो आईटीआर फाइल करना जरूरी है।

क्यूब हाइवेज ट्रस्ट का आईपीओ लान्च 3 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए काम करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट क्यूब हाइवेज ट्रस्ट इन्विट का 5,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर एक बजे तक ये आईपीओ सिर्फ दो प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 151 रुपये से लेकर 152 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 95 शेयर का है। आईपीओ के तहत कुल 32,89,47,368 करोड़ शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) को अधिकतम 75 प्रतिशत शेयर अलाट किए जाएंगे, जबकि नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) को न्यूनतम 25 प्रतिशत शेयर दिए जाएंगे। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि

केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। क्यूब हाइवेज ट्रस्ट इन्विट की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 999.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,422.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 2,106.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो अगले वित्त वर्ष 2025-256 में बढ़ कर 2,922.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी की परिसंपत्तियां 2024-25 के 28,624.25 करोड़ रुपये बढ़ कर 2025-26 में 30,763.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गई। हालांकि, इन दो सालों में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी इजाफा हुआ। कंपनी पर 2024-25 के अंत तक 439.96 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2025-26 में बढ़ कर 491.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

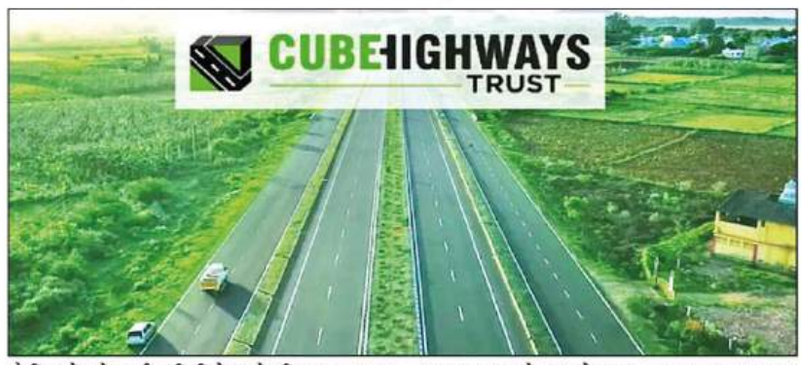

अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो महीने के टाप लेवल पर क्रूड आयल, ब्रेंट क्रूड 92.63 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव खाड़ी देशों से कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच जंग और तेज होने की आशंका के बीच ब्रेंट क्रूड दो महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 92 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर लिया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी एक बार फिर 85 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने 0.45 डालर प्रति बैरल की मामूली उछाल के साथ 91.46 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 92.63 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दो महीने के दौरान ब्रेंट क्रूड का ये सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि दिन के कारोबार में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 1.34 डालर प्रति बैरल यानी 1.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 92.25 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने सिर्फ 0.15 डालर प्रति बैरल की सामान्य बढ़त के साथ 84.59 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर बाद ही डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 85.75 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। भारतीय

समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 डालर प्रति बैरल यानी 1.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 85.57 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने और पश्चिम एशिया में युद्ध तेज हो जाने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 87 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 81 डालर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर चला गया था। इसके बाद ती दिन तक सुस्ती का माहौल बना रहा, लेकिन पिछले चार ट्रेडिंग सेशन से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है, जिसकी वजह से इसने पिछले दो महीने के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर लिया है।

जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ाने की आशंका बन गई है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार तेज हो रही है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार हमले हो रहे हैं। इस बीच ईरान की ओर हूती विद्रोहियों ने भी मोर्चा संभालने का ऐलान कर दिया है। हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका की ओर हो रहे हमले नहीं रुके तो वे रेड सी और बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों की होने वाली आवाजाही को ठप कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मैरीटाइम बैन भी लगा दिया है और शिप ओनर्स को सऊदी के बंदरगाहों पर नहीं आने की धमकी भी दी है। वैष्णव का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से ही ठप पड़ा हुआ है। ऐसे में अब अगर रेड सी और बाब अल मंडेब से भी जहाजों की आवाजाही रुक जाती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित होगी। खासकर, सऊदी अरब और यमन की ओर से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई पूरी तरह से बंद हो जाएगी। कच्चे तेल की सप्लाई के संकट की आशंका के कारण ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत में तेजी से का रुख बना हुआ है। तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारत जैसे कच्चे तेल के आयातक देश के लिए चिंता की एक बड़ी वजह बन सकती है।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में इन भारतीय खिलाड़ियों पर रहेंगी पदक की सबसे बड़ी उम्मीदें

23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल एक बार फिर दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा। अनुभवी सितारों और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण वाली भारतीय टीम से कई स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद की जा रही है। खासकर नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहैन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर देश की नजरें टिकी होंगी।

नई दिल्ली

इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में 74 देशों और क्षेत्रों के तीन हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तैराकी, कलात्मक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबाल, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और 3×3 बास्केटबाल समेत 10 खेल शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा पर फिर रहेंगी स्वर्ण पदक की उम्मीदें

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एक बार फिर भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। उनसे स्वर्ण पदक की सबसे मजबूत उम्मीद मानी जा रही है।

मीराबाई चानू रच सकती हैं गोल्ड की हैट्रिक

भारोत्तोलन में भारत की स्टार खिलाड़ी मीराबाई चानू अब तक राष्ट्रमंडल खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। ग्लासगो में वह लगातार तीसरा स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी।

लवलीना बोरगोहैन से मुक्केबाजी में बड़ी आस

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन लवलीना बोरगोहैन महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में भारत की सबसे बड़ी पदक दावेदार होंगी। अपनी निरंतरता और अनुभव के दम पर उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद की जा रही है।

गुरिंदरवीर सिंह पर होगी सबकी नजर

भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस वर्ष 100 मीटर राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए 10.09 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रमंडल खेलों में वह पहली बार हिस्सा लेंगे और एथलेटिक्स में भारत के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। प्रणति नायक जिम्नास्टिक में करेंगी चुनौती पेश अनुभवी जिम्नास्ट प्रणति नायक कलात्मक जिम्नास्टिक में भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी। उनका लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक जीतकर इतिहास रचना होगा।

युवा खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

इन दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा सरवेश कुशारे और ज्ञानेश्वरी यादव जैसे युवा खिलाड़ी भी पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेंगे। उनसे भविष्य की मजबूत भारतीय टीम की नींव रखने वाले प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी करेगा। ऐसे में ग्लासगो में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन न केवल पदकों के लिहाज से अहम होगा, बल्कि अहमदाबाद 2030 की तैयारियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिपः भारत की पुरुष और महिला टीमें अपराजेय

मस्कट (ओमान)। एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को एलीट पूल मुकाबलों में पुरुष टीम ने मेजबान ओमान और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराया, जबकि महिला टीम ने चीन के साथ मुकाबला ड्रा खेलने के बाद उज्बेकिस्तान को एकतरफा अंदाज में शिकस्त दी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 7-4 से पराजित किया। भारत की ओर से करण गौतम ने 5वें, 9वें और 19वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा राहुल यादव (3), प्रह्लाद राजभर (10), कप्तान केतन कुशवाहा (11) और रोमित पाल (11) ने एक-एक गोल किया। पाकिस्तान के लिए असलम मुहम्मद फरहान (6), अदील (8) और उस्मान मुहम्मद (10, 16) ने गोल किए। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने मेजबान ओमान को 14-0 से करारी शिकस्त दी। कप्तान केतन कुशवाहा ने चार गोल (6, 11, 15, 20) दागे, जबकि आशीष तानी पूर्ति ने (1, 16, 19) हैट्रिक बनाई। राहुल यादव (2, 12) और शाहरुख अली (3, 13) ने दो-दो गोल किए। वहीं प्रह्लाद राजभर (9), करण गौतम (15) और रोमित पाल (18) ने भी गोल कर भारत की बड़ी जीत में योगदान दिया। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने अपने दूसरे एलीट पूल मुकाबले में चीन के साथ 2-2 से ड्रा खेला। चीन के लिए चेन गे ने चौथे मिनट में बढ़त दिलाई।

सिडनी सिक्सर्स के मुख्य कोच बने मैथ्यू माट, दो साल का करार

सिडनी। आस्ट्रेलिया के अनुभवी कोच मैथ्यू माट को बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। 52 वर्षीय माट के साथ फ्रेंचाइजी ने दो साल का अनुबंध किया है। वह बीबीएल-16 से पहले यह जिम्मेदारी संभालेंगे। माट ने जेम्स होप्स की जगह ली है, जिन्होंने पिछले महीने क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के साथ दोहरी कोचिंग भूमिका स्वीकार करने के बाद पद छोड़ दिया था। मैथ्यू माट पिछले दो सीजन से सिडनी सिक्सर्स की पुरुष टीम के सहायक कोच थे। इसके बाद उन्होंने पिछले सीजन महिला टीम की कमान संभाली और टीम को डब्ल्यूबीबीएल चैलेंजर तक पहुंचाया। सिडनी सिक्सर्स इस सप्ताह महिला टीम के नए मुख्य कोच की घोषणा करेगी। मैथ्यू माट का कोचिंग करियर दो दशक से अधिक लंबा और बेहद सफल रहा है। उन्होंने 2022 से 2024 तक इंग्लैंड की पुरुष सीमित ओवर टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्य किया और जोस बटलर की कप्तानी में टीम को 2022 टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया। इससे पहले वह 2015 से 2022 तक आस्ट्रेलिया की महिला टीम के मुख्य कोच रहे, जहां उनके मार्गदर्शन में टीम ने दो टी20 विश्व कप, 2022 महिला वनडे विश्व कप, चार एशेज सीरीज जीतीं और लगातार 26 वनडे मैच जीतने का विश्व रिकार्ड भी बनाया। नियुक्ति के बाद मैथ्यू माट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लंबे समय से सिक्सर्स परिवार का हिस्सा रहा हूं।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के लिए नीयमों में किया बदलाव, जानबूझकर नो-बाल फेंकी तो मैच से बाहर होगा गेंदबाज

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेल क्रिकेट के नीयमों में बदलाव की घोषणा कही है। बोर्ड ने आगामी 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीजन के लिए खेल के नियमों में ये बदलाव इसे और बेहतर बनाने के लिए किये हैं। इसमें सबसे प्रमुख बदलाव ये है कि अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट-फुट पर नो-बाल या नान-लैंडिंग गेंद करता है, तो उसे केवल उस पारी से नहीं, बल्कि पूरे मैच से निलंबित कर दिया जाएगा। ये बदलाव खेल की अखंडता और रणनीतिक दुरुपयोग को रोकने के लिए किये गये है। ये बदलाव मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की सिफारिशों को देखते हुए किया गया है। वहीं अब तक दोषी गेंदबाज को केवल उस पारी में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं होती थी। हालांकि, अब मैदानी अंपायर यदि यह निर्धारित करते हैं कि किसी गेंदबाज ने जानबूझकर फ्रंट-फुट नो-बाल या नान-लैंडिंग गेंदबाज की है, तो उसे उस पूरे मैच में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। यह कदम खेल में अनुचित लाभ उठाने के प्रयासों को रोकने के लिए उठाया गया है। वहीं दिन के खेल के समाप्त होने से जुड़े नियम में भी बदलाव किया गया है। अब से, यदि दिन के आखिरी ओवर के दौरान कोई विकेट गिरता है, तो खेल वहीं समाप्त नहीं होगा। इसकी जगह ओवर पूरा कराया जाएगा, जिससे नई बल्लेबाजी करने वाली टीम को दिन के अंत में क्रीज पर तुरंत आने की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह परिवर्तन खेल को और अधिक गतिशील बनाने में मदद करेगा। नियम 15.2 के तहत, अब किसी भी टीम को मैच की अंतिम पारी में पारी घोषित ने की अनुमति नहीं होगी।

टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अय्यर की अग्निपरीक्षा

हरारे

लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें - युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि संजू सैमसन इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब का मैदान अभिषेक और वैभव दोनों के लिए खास रहा है। अभिषेक ने यहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे ही मैच में शतक जड़ा था। वैभव ने इसी मैदान पर इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।

गेंदबाजी और मध्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती - हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। आलराउंडर संयोजन में हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से दो खिलाड़ियों का चयन करना टीम प्रबंधन के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाजी आक्रमण में मयंक यादव, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और यश ठाकुर में से अंतिम संयोजन पर भी नजर रहेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगरावा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, तफाद्जवा त्सिगा।

विश्व कप जीत के बाद भावुक हुए पेड्री और दानी ओल्मो, बोले यह सफलता पूरे स्पेन की

मैड्रिड

फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद स्पेन के स्टार फुटबालर पेड्री गोंजालेज और दानी ओल्मो ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा करते हुए उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता पूरे स्पेन की है। स्पेन ने विश्व कप 2026 के फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर इतिहास रचते हुए अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब जीता। विश्व कप जीत के बाद राजधानी मैड्रिड सहित पूरे स्पेन में जश्न का माहौल रहा। हजारों प्रशंसकों के साथ जीत का उत्सव मनाने के बाद मिडफील्डर दानी ओल्मो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अब भी मेरे पास शब्द नहीं हैं। कल के जश्न में हमारे साथ शामिल होने और पूरे विश्व कप के दौरान लगातार हमारा साथ देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर पेड्री गोंजालेज ने भी भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, सबसे बड़ी सफलता मेरे अपने लोग हैं। हमने साथ मिलकर सपने देखे और साथ मिलकर यह सफर तय किया। फाइनल मुकाबले में अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निर्णायक गोल कर स्पेन को 1-0 की जीत दिलाई। निको विलियम्स के हेडर पर मिले पास को टोरेस ने गोल में बदलकर स्पेन को विश्व चैंपियन बना दिया। मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते की टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और लगातार गोल के मौके बनाए। हालांकि, अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने 12 शानदार बचाव कर अपनी टीम को लंबे समय तक मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अंततः टोरेस के गोल ने स्पेन को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्पेन ने 16 वर्षों बाद फिर से फीफा विश्व कप ट्राफी अपने नाम की।

जूडो महाकुंभ स्टेट चैंपियनशिप में पदक जीत लौटे खिलाड़ियों का अभिनंदन

मुरादाबाद। लखनऊ में 15 से 20 जुलाई तक आयोजित जूडो महाकुंभ स्टेट चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के खिलाड़ियों का मंगलवार को स्वागत अभिनंदन हुआ। आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के निदेशक डा. विनोद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में एकेडमी की अन्वी सक्सेना ने 30 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक, अधीरा टंडन ने 48 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक तथा ख्याति सिंह ने 70 किग्रा से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अकादमी एवं जनपद का नाम रोशन किया। तीनों खिलाड़ी जूडो कोच मयंक कश्यप के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस शानदार प्रदर्शन पर निदेशक डा. विनोद कुमार, डा. जी. कुमार, डा. गौरव कुमार, डा. गरिमा शर्मा, डा. अजय शर्मा, बास्केटबाल कोच मोहित चौधरी तथा स्केटिंग कोच शहवाज अली ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं जूडो कोच मयंक कश्यप को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

मेक्सिको के दिग्गज गोलकीपर गुइलेर्मो ओचोआ ने लिया संन्यास, 22 साल के करियर का हुआ अंत

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के महान गोलकीपरों में शुमार गुइलेर्मो ओचोआ ने मंगलवार को पेशेवर फुटबाल से संन्यास की घोषणा कर दी। 41 वर्षीय ओचोआ ने अपने 22 साल लंबे शानदार करियर को अलविदा कहा। उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। हालांकि इसके बाद उनके किसी नए क्लब से जुड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब उन्होंने उन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए ओचोआ ने कहा, मैंने अपना सबकुछ झोंक दिया। अपने क्लबों और राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और आज मैं अपने गोलकीपिंग ग्लव्स उतार रहा हूं। गोलकीपर होना यह जानना है कि शायद 90 मिनट तक आपको सिर्फ एक ही मौका मिले, जब सब कुछ आप पर निर्भर हो। और जब वह पल आए तो आप हिचकिचा नहीं सकते।

ओचोआ मेक्सिको की ओर से छह फीफा विश्व कप की टीम में शामिल होने वाले खिलाड़ियों में रहे। यह उपलब्धि केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी जैसे महान खिलाड़ियों के नाम भी दर्ज है। उन्होंने

2014 (ब्राजील), 2018 (रूस) और 2022 (कतर) विश्व कप में मेक्सिको के प्रथम पसंद गोलकीपर के रूप में जिम्मेदारी निभाई।

ओचोआ ने फरवरी 2004 में क्लब अमेरिका के लिए अपना पेशेवर पदार्पण किया। सात सीजन तक क्लब अमेरिका के लिए खेलने के बाद वह 2011 में फ्रांस के अजाक्सियो क्लब से जुड़े और यूरोप में खेलने वाले मेक्सिको में जन्मे पहले गोलकीपर बने। इसके बाद उन्होंने मालागा, ग्रेनाडा, स्टैंडर्ड लीज, सालेरनिताना, एवीएस फुटबोल और एईएल लिमासोल जैसे क्लबों का भी प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2019 से 2022 के बीच उन्होंने क्लब अमेरिका में वापसी भी की।

अपने विदाई संदेश में ओचोआ ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक सपना मुझे इतनी दूर तक ले जाएगा। आज मैं गर्व के साथ पीछे मुड़कर देख सकता हूं और सिर्फ इतना कहना चाहता हूं—धन्यवाद। मैं अपने साथ करोड़ों लोगों का प्यार और यह संतोष लेकर जा रहा हूं कि मैंने मेक्सिको के लिए अपना सबकुछ दिया। विश्व कप 2026 में वह मुख्य रूप से राउल रेंगेल के बैकअप गोलकीपर रहे, लेकिन मुख्य कोच जेवियर अगुइरे ने चेक गणराज्य के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच में उन्हें आखिरी 13 मिनट खेलने का मौका दिया। मुकाबले के बाद भावुक ओचोआ ने एस्टाडियो एज्टेका के गोलपोस्ट को चूमा, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों से गले मिलकर विदाई ली और दर्शकों के जाने के बाद आखिरी बार मैदान के बीचों-बीच जाकर अपने यादगार सफर को अलविदा कहा। क्लब स्तर पर ओचोआ ने 2005 क्लाजुरा में क्लब अमेरिका के साथ लीग खिताब और स्टैंडर्ड लीज के साथ बेल्जियन कप जीता। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने मेक्सिको को छह कानकाकाफ गोल्ड कप खिताब दिलाने में योगदान दिया और टोक्यो 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक भी जीता।

विश्व कप जीतकर 51 साल का इंतजार खत्म करना चाहते हैं: हरमनप्रीत

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का लक्ष्य 51 वर्षों से चले आ रहे एफआईएच हाकी विश्व कप खिताब के इंतजार को खत्म कर इतिहास रचना है। उन्होंने विश्वास जताया कि अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित संयोजन वाली भारतीय टीम विश्व कप में किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 में भारत को पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी।

हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले भारत के एकमात्र विश्व कप विजेता कप्तान अजित पाल

सिंह ने भी दो बार टीम का नेतृत्व किया था। उनके नेतृत्व में भारत ने 1971 में कांस्य और 1975 में विश्व कप खिताब जीता था, जो अब तक भारत का एकमात्र विश्व कप स्वर्ण है।

हरमनप्रीत ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। प्रो लीग के अंतिम चरण में हमारे प्रदर्शन ने दिखाया कि हम लगातार बेहतर हो रहे हैं। हमारी तैयारी अच्छी चल रही है और हम विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतरता सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा, हमें हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा, अपनी योजनाओं पर कायम रहना होगा और छोटी-छोटी गलतियों से बचना होगा। विश्व कप में हर अवसर का पूरा फायदा उठाना जरूरी है।

टीम की सबसे बड़ी चुनौती पर हरमनप्रीत ने कहा कि स्ट्राइकिंग सर्कल में आक्रामक और रक्षात्मक दोनों परिस्थितियों में प्रभावी प्रदर्शन करना बेहद महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि सर्कल में मिले हर मौके, चाहे वह पेनल्टी कार्नर हो, गोल पर शाट हो या अटैकिंग मूव, उसका अधिकतम लाभ उठाया जाए।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संयोजन पर उन्होंने कहा, टीम का संतुलन बहुत अच्छा है। हाल के मुकाबलों में हमने दुनिया की मजबूत टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। अनुभवी खिलाड़ी युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं और सभी का लक्ष्य एक ही है— विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

कप्तानी के दबाव पर हरमनप्रीत ने कहा, मेरे लिए बड़े टूर्नामेंट में पदक जीतना हमेशा व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण रहा है। 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना गर्व की बात है, लेकिन टीम की सफलता ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

अतीत को भूलो और आगे बढ़ो

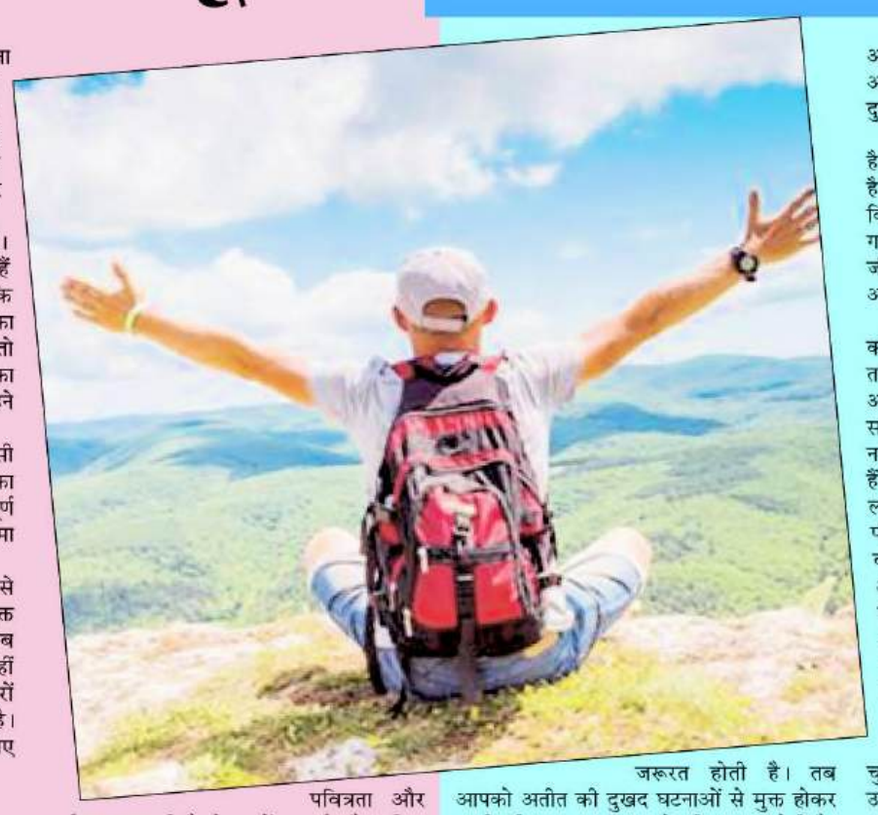

कुछ लोग सोचते हैं कि चुपचाप रहना अध्यात्म है। कुछ समझते हैं कि खुशी में रहना ही अध्यात्म है। अध्यात्म इन दोनों का तालमेल है, उसमें बाहर से आप चुप नजर आते हैं, भीतर खुश रहते हैं और भीतर चुप रहते हैं और बाहर से खुश नजर आते हैं!

हमारे जीवन में दो तरह के उत्सव होते हैं। एक जब हम धन्यवाद या आभार प्रकट करते हैं यह किसी ईश्वर के प्रति होता है। दूसरा होता है कि हम अतीत को भुलाकर जीवन में आगे ब?ने का फैसला करते हैं और यह मानते हैं कि जीवन तो अनंत है तो फिर कहीं रुक जाने या बैठ जाने का क्या तुक है। किसी भी तरह जीवन में खुश रहने या खुशी मनाना अच्छा है।

वास्तविक उत्सव तो यही है कि बिना किसी आयोजन के भी आप प्रसन्ना रहते हैं। जब आपका उद्देश्य पवित्र होता है तो उत्सव अपने आप में पूर्ण हो जाता है। तब शरीर, मस्तिष्क और आत्मा आनंद पाती है।

अगर उत्सव आपको अपने आसपास से जोड़ता है, अगर यह आपको दुखद अतीत से मुक्त करता है और भविष्य की उम्मीद बंधाता है तब आप किसी भी अतीत के काम का बोझ नहीं महसूस करेंगे। उत्सव का ही एक तरीका है दूसरों की सेवा करना। यह बहुत ही पवित्र काम है। दूसरों की मदद करने में खुशी की तलाश कीजिए और तब आप निश्चित ही आनंद पाएंगे।

जब किसी भी खुशी में पवित्रता और प्रार्थना जुड़ जाती है तो उसमें गहराई और प्रतिष्ठा आ जाती है। तब वह मस्तिष्क के लिए केवल मनोरंजन और शरीर के लिए रोमांच नहीं रह जाता है बल्कि इनसे बढ़कर वह आत्मा के लिए जरूरी पोषण बन जाता है। किसी भी तरह की ईर्ष्या मन में रखकर खुशी की तलाश नहीं की जा सकती है बल्कि उसे तलाशने के लिए तो आपको उदारता से किसी की मदद के लिए हाथ बढ़ाना होगा।

श्री श्री रविशंकर

खुशी तो हमारे जीने का एक ढंग है और खुशी पाने के लिए आपको बहुत सारा पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है। खुशी मिलती है आपके उत्साह और काम करने के ढंग से। जब आप दुखी रहते हैं तभी खुशी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। तब आपको अतीत की दुखद घटनाओं से मुक्त होकर खुशी की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत होती है। तब आपके पास जो कुछ भी है उसे दूसरों के साथ बांटिए और आप पाएंगे कि आपने खुशी तलाश ली है।

जीवन हमेशा बेहतर दिशा में आगे बढ़ता है। इस सफर में कहीं-कहीं खराब रास्ता भी मिल सकता है लेकिन उन रास्तों से होकर भी आप अंततः तो जीवन में खुशी ही पाते हैं। कठिनाइयों से आप गहराई पाते हैं और खुशी आपको विस्तार का मौका देती है। जो बुद्धिजीवी होते हैं वे अतीत को अपने भाग्य की तरह देखते हैं और भविष्य को चुनाव की आजादी के तौर पर। इसके साथ ही वे अपने वर्तमान में प्रसन्ना रहते हैं। जो दुख को पीठ पर उठाए घूमते हैं वे अपने अतीत के बारे में अक्सर शिकायती रवैया रखते हैं और भविष्य को अपने से दूर पाते हैं। ऐसे लोगों का वर्तमान भी दुखद हो जाता है। यह चुनाव आपके ही हाथ है।

ऐसे सोचिए कि अतीत में जो हमारे साथ हुआ है उसने हमें बहुत कुछ सिखाया है। उसने बताया है कि हमें क्या करना है और क्या नहीं करना है। किसी भी दर्द से गुजरकर हमारे भीतर थोड़ी गहराई ही आती है और खुशी और आनंद हमें जीवन में नई चीजों को देखने और भविष्य के प्रति आशावान रहने का साहस देते हैं।

भविष्य का स्वागत मुस्कुराहट के साथ कीजिए। यह मुस्कुराहट तब आएगी जब आप इस तरह से सोचेंगे कि आपका भविष्य सुंदर ही होगा। अगर आप यह भरोसा नहीं करते हैं कि आगे सबकुछ ठीक होगा तो आप खुशी की ओर कदम नहीं बढ़ा पाते हैं। तब आप असुरक्षा में ही जीते हैं। असुरक्षा के साथ ही लालच पैदा होता है। लालच के साथ स्वार्थ जुड़ जाता है। इसके पीछे-पीछे ही गुस्सा जीवन में आता है। गुस्से के साथ वासना की जगह बन जाती है। इसके पीछे उदासी और दुख जीवन में चले आते हैं। ये सभी एकदूसरे से जुड़े हुए हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि चुपचाप रहना अध्यात्म है। कुछ समझते हैं कि खुशी में रहना ही अध्यात्म है। अध्यात्म इन दोनों का तालमेल है, उसमें बाहर से आप चुप नजर आते हैं, भीतर खुश रहते हैं और भीतर चुप रहते हैं और बाहर से खुश नजर आते हैं! जब आप चुप रहकर खुशी व्यक्त करते हैं तो वह असली उत्सव होता है।

इस खुशी का असर भी ज्यादा होता है। यह एक रहस्य है। रहस्य समझने के लिए नहीं होते बल्कि उनसे प्रेम करना चाहिए। प्रेम भी एक रहस्य ही है, नींद रहस्य है, हमारा मस्तिष्क रहस्य है और हमारे इर्द-गिर्द जो कुछ भी है वह सबकुछ रहस्य ही है। इस रहस्य को जानने की कोशिश दुविधा है लेकिन इसके साथ जीना ही ज्ञान की प्राप्ति है।

कुछ लोग कहते हैं मैं नहीं जानता तो कभी-कभी वे अज्ञानवश ऐसा कहते हैं। लेकिन जिन्हें ज्ञान हो जाता है वे भी कहते हैं, मैं मुझे पता जिसका अर्थ ही दूसरा होता है। इस तरह हर प्रश्न एक आश्चर्य में बदल जाता है। सरल और निर्दोष बनकर इस दूसरी अवस्था में रहो। उसे जिओ और तब आनंद अपने आप पैदा होगा।

कर्ली बालों को ऐसे करें सीधा, अपनाएं ये टिप्स

घुंघराले बाल देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं। उतने ही इन्हें सुलझाना कठिन होता है।

» महिलाओं के ही नहीं पुरुषों के भी करली बाल होते हैं।

» लोग बालों को सीधा करने के लिए कई तरह के प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। जब भी बालों को असर नहीं पड़ता।

» करली बालों में कई परेशानियां झलनी पड़ती है। आइए जानते हैं करली बालों को सीधा करने के नेचुरल तरीके...

1. तेल मालिश

» हल्के गरम तेल से मालिश करके बालों को ठीक करने का सबसे अच्छा तरीका है।

» नारियल, जैतून और बादाम का तेल फायदेमंद होता है।

2. एलोवेरा

एलोवेरा के गूदे को निकालकर इसमें तेल मिलाकर बालों में लगाने से आपको बाल चमकदार और सीधे हो जाएंगे।

3. मुल्तानी मिट्टी

» मुल्तानी मिट्टी, तेल और चावल का आटा मिलाकर लगाने से बाल सीधे होते हैं।

» इस पेस्ट को लगाने के बाद बालों को मोड़े नहीं।

4. अंडे का प्रयोग

» अंडे को फेट कर इसमें ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें। इस मिश्रण को बालों में लगाने के थोड़ी देर बाद बालों को शैम्पू कर लें। इससे बालों में चमक आती है और सीधे हो जाते हैं।

सिरदर्द दूर करने के लिए हर्बस

भागदौड़ भरी जिंदगी, बढ़ते तनाव और ऐसे ही कई अन्य कैरणों के चलते सिरदर्द एक आम समस्या बनता जा रहा है। ऐसे में लोग अक्सर पेन किलर का सहारा लेते हैं। लेकिन ज्यादा पेन किलर खाने पर रिएक्शन का डर बना रहता है। इसीलिए सिरदर्द दूर करने के लिए आप कुछ प्रभावी हर्ब्स का प्रयोग कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि सिरदर्द के इलाज के लिए कौन से हर्ब्स मौजूद हैं।

पैशनफ्लॉवर

परंपरागत रूप से चिंता और अनिद्रा की स्थितियों के इलाज के लिए पैशनफ्लॉवर को जड़ी बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यह सिरदर्द के इलाज में भी कभी कारगर साबित होता है। जैसा की इसके नाम से पता चलता है यह हर्ब बड़ी इच्छाओं के चलते तनाव पूर्ण जीवन बिता रहे लोगों वाले लोगों के नर्वस सिस्टम को शांत कर सिरदर्द जैसी समस्या से बचाने में कारगर होता है।

वाइट विलो बार्क

अन्य सिरदर्द दूर करने वाली हर्ब्स की तरह वाइट विलो बार्क भी सिरदर्द दूर करने वाली एक कारगर हर्ब है। इस हर्ब को एस्प्रिन सप्लिमेंट में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन एक एनाल्जेसिक के रूप में यह हर्ब अन्य हर्ब्स की तरह लक्षणों को ना मिटाकर सीधा सिरदर्द को दूर करती है।

बटरबर और फीवरफ्यू

बटरबर और फीवरफ्यु के बारे में जानने से पहले हमें ये जान लेना जरूरी है कि माइग्रेन और सिरदर्द दो अलग प्रकार की समस्याएं हैं। माइग्रेन सिर में रक्त के प्रवाह में तेजी से बदलाव के कारण होता है और गंभीर सिर दर्द , मतली, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, और ध्वनि के साथ जुड़ा हुआ होता है। जबकि सिरदर्द माइग्रेन का एक घटक है। बटरबर और फीवरफ्यू दोनों ही बेहतर और नियमित रूप से सिरदर्द के इलाज के लिए उपयुक्त है।

ब्लेक कॉश

यह एक नेटिव उत्तरी अमेरिकी पौधा है। जिसका गठिया, सिरदर्द आदि के कारगर इलाज के लिए इस्तेमाल किये जाने का इतिहास रहा है। क्योंकि इस जड़ी बूटी में एस्ट्रोजन प्रभाव होता है, यह महिलाओं के लिए बेहतर है। लेकिन पुरुषों भी इसे कभी-कभी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सरसों के बीज

सरसों सिरदर्द के उपचार में लाभदायक होता है। इसके लिए आधा चम्मच सरसों के बीज का पाउडर, 3 चम्मच पानी में घोलकर नाक पर लगाएं। इससे माइग्रेन और इससे होने वाले सिरदद म राहत मिलता ह।

अदरक

अदरक एक दर्द निवारक के रूप में भी काम करता है। यदि सिरदर्द हो तो सूखे अदरक को पानी के साथ पीसकर उसका पेस्ट बना लें और इसे अपने माथे पर लगा लें। इसे लगाने पर हल्की जलन जरूर होती है लेकिन यह सिरदर्द दूर करने में सहायक होता है।

दालचीनी

दालचीनी एक कमाल की हर्बस है, जो कई रोगों के उपचार में लाभदायक होती है। सिरदर्द के उपचार में दालचीनी को पानी के साथ महीन पीसकर कपाल पर पतला लेप करना चाहिए। लेप सूख जाए तो उसे हटाकर दोबारा नया लेप तैयार कर लगाना चाहिए।

पुष्कर मूल

पुष्कर मूल अर्थात पुष्कर की जड़ सिरदर्द की समस्या होने पर काफी सहायक हो सकती है। इसको चंदन की तरह घिसकर लेप को कपाल पर लगाने से सिर दर्द ठीक होता है। यदि आप घर में हैं और सिरदर्द की समस्या होती है तो इस लेप को लगा कर आराम करें। सिर दर्द जल्द ठीक हो जाएगा।

प्रिमरोज (पीतसेवती)

अगर आपके पास बहुत काम है, जिसकी वजह से आप अक्सर 12 घंटे तक दफ्तर में बिताते हैं, तो प्रिमरोज सप्लिमेंट्स को रेग्युलर तौर पर लें। इसमें दर्द से आराम देने वाला कंपाउंड फिनायललानीन प्रचुर मात्रा में होता है। यही नहीं, प्रिमरोज कई अन्य बीमारियों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

पिपरमिंट

पिपरमिंट माइग्रेन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। पुराने समय में सिरदर्द के लिए पिपरमिंट ही दिया जाता था। इसलिए यदि आपको सिर दर्द की शिकायत होती है, तो आप इसे चाय में मिलाकर पी सकते हैं। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा।

कुछ अन्य हर्ब्स

अगर आप पिपरमिंट, कैमामाइल और विलो बार्क को मिला कर चाय पीते हैं, तो आपको सिर दर्द में तुरंत आराम मिलेगा। इसके अलावा लहसुन, अदरक, लाल मिर्च, चेरी, लेवेंडर और सन फ्लॉवर सीड्स आदि हर्ब्स भी सिरदर्द को ठीक करने में सहायक होती हैं।

मक्खन के चमत्कारी लाभ

मक्खन हर घर में पाया जाता है। मक्खन के बिना भारतीय नाश्ता अधूरा होता है। शायद ही कोई दिन ऐसा होगा जब आप इनसे बच पाती हों। लेकिन कैलरी के लिहाज से कौन ज्यादा हेल्दी ऑप्शन है । यह जानना भी जरूरी है। इस बार जानिए मक्खन सेहत के लिए कितना बेहतर है। इसमें विटामिन और एंटीऑक्सीडेंटस ज्यादा मात्रा में मौजूद है । इसलिए यह छोटे बच्चों के बढने के लिए बहुत ही लाभकारी है। जिनको लिवर संबंधी समस्या होती है।

नया स्मार्टफोन लेने के बाद सबसे पहले करें ये 6 काम

यदि आप नया स्मार्टफोन खरीद रहे हैं तो आपको उसकी सिक्यॉरिटी के लिए भी जरूर कुछ करना चाहिए। इसके साथ ही आपके स्मार्टफोन में आपसे जुड़ी कई जानकारियां होती हैं, इसलिए आप जब भी कोई नया स्मार्टफोन लें, तो सबसे पहले ये 6 काम जरूर कर लें...

डिस्प्ले की सुरक्षा से समझौता नहीं

अपने स्मार्टफोन की सुरक्षा के लिए उस पर अच्छी क्वॉलिटी का टेम्पर्ड ग्लास लगवाएं। सामान्य स्क्रीन गार्ड फोन की स्क्रीन को सिर्फ स्क्रैच आदि से बचाता है, लेकिन यदि आपने टेम्पर्ड ग्लास लगवाया है तो फोन गिरने पर भी यह उसकी स्क्रीन की सुरक्षा करता है।

बैक कवर का इस्तेमाल करें

अपने स्मार्टफोन की बॉडी को स्क्रैच, निशान और डेंट आदि से बचाने के लिए हमेशा अच्छी क्वॉलिटी का ही बैक कवर खरीदें। आप बैक कवर की मदद से अपने फोन को तरह-तरह के स्टाइलिश लुक्स भी दे सकते हैं, हालांकि आपकी प्राथमिकता फोन की सुरक्षा ही होनी चाहिए।

अपने स्मार्टफोन का बीमा कराएं

आजकल कई कंपनियां यूजर्स को स्मार्टफोन का बीमा कराने का ऑफर कर रही हैं। इसके अंतर्गत फिजिकल डैमेज, लिक्विड डैमेज और किसी मैकेनिकल खराबी के लिए भी बीमा कवर दिया जाता है। अगर कभी समार्टफोन में इस तरह की दिक्कतें आ जाएं तो इससे ग्राहकों को काफी फायदा होता है।

AppLock का इस्तेमाल करें

अपने निजी मेसेज, फोटो और दूसरे डेटा को दूसरों की नजर से बचाने के लिए आपको AppLock का इस्तेमाल करना चाहिए। आप इसे ऐंड्रॉयड फोन के लिए गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसकी मदद से आप मोबाइल में मौजूद किसी भी ऐप, फोटो गैलरी आदि को लॉक कर सकते हैं।

फोन के चोरी होने पर ये करें

स्मार्टफोन के चोरी होने या खोने पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इनसे बचने के लिए अपने ऐंड्रॉयड स्मार्टफोन पर ऐंड्रॉयड डिवाइस मैनेजर ऐक्टिवेट करें। इससे आप स्मार्टफोन की लोकेशन का पता लगा सकते हैं। इसके लिए Google Settings में जाकर स्क्रॉल डाउन करें और Security ऑप्शन पर टैप करें। इसके बाद Android Device Manager पर जाकर Remotely locate this device और Allow remote lock and erase on or off को टिक कर दें। आपको Location की सेटिंग में जाकर Access to my location को भी ऑन करके रखना और फोन में गूगल साइन इन होना चाहिए।

ऐंटी-मैलवेयर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल

आपके लिए स्मार्टफोन की स्क्रीन की सुरक्षा की तरह ही उसके डेटा की सुरक्षा करनी भी जरूरी है। नया फोन लेते ही सबसे पहले उसमें ऐंटी वायरस और डेटा सिक्यॉरिटी सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें जिससे मोबाइल के महत्वपूर्ण डेटा और दूसरे सॉफ्टवेयरों की सुरक्षा को कोई खतरा न हो।

ड्राई फ्रुट्स खाने से होते हैं ये फायदें, जानें किसमें कितना प्रोटीन

आजकल की लाइफ स्टाइल इस तरह हो चुकी हैं कि लोगों को अपनी सेहत का भी ध्यान नही रहता। उन्हें अपनी सेहत के हिसाब से क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

लेकिन आज हम आपकी सेहत से जुड़े कुछ खास ड्राई फ्रूट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको खाने से आपको काफी फायदा होगा। यह दिमाग के लिए टॉनिक का काम भी करते है।

कहते हैं कि दरअसल, सूखे मेवों की तासीर गर्म होती है इसलिए इन्हें भिगोकर खाया जाना चाहिए। क्योंकि इसके छिलके की ऊपरी परत पर दूषित कण होते हैं। मेवों से बने उत्पाद खाने की बजाय इन्हें ऐसे ही खाना चाहिए और बहुत जरूरी है कि इनकी एक सीमित मात्रा का ही उपयोग किया जाए।

मेवों में उच्च मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है इसलिए ऐसे लोग जिन्हें किडनी रोग, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल या पाचन संबंधी रोग हो वे इन्हें डॉक्टरी सलाह के बाद ही खाएं।

बादाम

कहते हैं बादाम में कैल्शियम,विटामिन ई, विटामिन बी और फाइबर मौजूद होते हैं। जिससे ये सेहत के लिए जितने अच्छे हैं, उतना ही अधिक सेवन सेहत के लिए नुकसानदायी है। इसलिए दिन में 5 बादाम से ज्यादा न खाएं।

काजू

बादाम के बाद बात करते हैं काजू की। काजू को ड्राय फ्रूट्स का राजा भी कहा जाता है। काजू को प्रोटीन,आयरन, फाइबर और मैगनीशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है। काजू का सेवन शरीर को ऊर्जा देने के साथ कई बीमारियों से हमारी रक्षा करता है।

सूखी अंजीर

मोटापा कम करने में कारगर अंजीर चाहे भूख को नियंत्रित रखने में सहायक होती है लेकिन इसका अधिक सेवन जिगर के लिए हानिकारक हो सकता है। अंजीर बहुत गर्म होती है, इसलिए 5 दाने से ज्यादा न खाएं।

किशमिश

यदि आपकी याददाश्त कमज़ोर हो गई है और आप भूलने लगते हैं तो किशमिश का सेवन बहुत बढ़िया है। इसे एक बढ़िया एंटीऑक्सीडेंट माना जाता है, जो स्टैमिना बढ़ाता है। परंतु हमेशा इसका सेवन भिगोकर ही करना चाहिए।

पिस्ता

पिस्ता हृदय रोगियों के लिए बेहद लाभकारी है, यह विटामिन बी-6 का प्रमुख स्रोत है। डाइटिंग कर रही महिलाओं के लिए पिस्ता फायदेमंद होता है, क्योंकि इससे पेट ज्यादा देर तक भरा रहता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील • सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)